राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार08दिसंबर2020 वर्ष–3, अंक–309पृष्ठ–08, मुल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में चार फीसदी से भी कम हुई कोरोना संक्रमण की दर

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना से संक्रमण की दर तेजी से सुधर रही है। लंबे समय के बाद रविवार को दिल्ली में 4 फीसदी से भी कम कोरोना संक्रमित पाए गए। शनिवार को दिल्ली में 73,536 टेस्ट किए गए थे जिसमें 3.68 फीसदी मरीज कोरोना संक्रमित पाए गए थे।

दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार रविवार को आए 2706 नए मामलों के साथ दिल्ली में कोरोना संक्रमितों का कुल आंकड़ा 5,92,250 हो गए हैं। इनमें से रविवार को 4622 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि 69 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 557914 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं, जबकि 9643 मरीजों की छुट्टी हो चुकी है। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.63 फीसदी है।

विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 24,693 हैं। इनमें से दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में 6145 मरीज भर्ती है। वहीं कोविड केयर सेंटर में 429 और कोविड मेडिकल सेंटर में 137 मरीज हैं। होम आइसोलेशन में 15,276 मरीज हैं। वहीं वंदेभारत मिशन के तहत आए मरीज 574 बेड पर हैं।

विभाग के अनुसार दिल्ली में शनिवार को आरटीपीसीआर से 32,023 और रैपिड एंटीजन के माध्यम से 41,513 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 67,40,712 टेस्ट हो चुके हैं। विभाग के अनुसार दिल्ली में रोजाना सामने आ रहे नए मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या बढ़कर 6173 हो गई है।

आगरा को मेट्रो की सौगात दे बोले पीएम मोदी– मेट्रो नेटवर्क के मामले में भी आत्मनिर्भर हो रहा भारत

आगरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वीडियो काफ्रेंसिंग के जरिए आगरा मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। पीएम के बटन दबाते ही टीडीआई मॉल के सामने लगी मशीन ने खुदाई शुरू कर दी। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हरदीप सिंह पुरी मेट्रो रेल परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आगरा के कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। वहीं, भोपाल से प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वर्चुअली कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के मुख्य बातें–

- भारत की बहनों, बेटियों, किसानों, मजदूरों और व्यापारियों के विश्वास को हाल के दिनों में हर चुनाव के परिणामों में देखा गया था। हैदराबाद चुनावों में गरीब और मध्यम वर्ग ने सरकार के प्रयासों को आशीर्वाद दिया। आपका समर्थन मेरी प्रेरणा है = पीएम नरेंद्र मोदी

- पीएम मोदी ने कहा कि देश

में बुनियादी ढांचे के विकास के साथ एक बड़ी समस्या यह थी कि परियोजनाओं की घोषणा की गई थी लेकिन धन की व्यवस्था पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया था। इसलिए, परियोजनाएं वर्षों तक खींचती रहीं। मेरी सरकार ने नई परियोजनाओं को शुरू करने के साथ-साथ उनके लिए धन की व्यवस्था करने पर ध्यान केंद्रित किया।

- आगरा में स्मार्ट सुविधाएं विकसित करने के लिए पहले ही लगभग 1,000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। पिछले साल जिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का शिलान्यास करने का मुझे मौका मिला था, वो भी अब बनकर तैयार है

- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले- 8000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की यह मेट्रो परियोजना, आगरा में स्मार्ट सुविधाओं की स्थापना से संबंधित मिशन को मजबूत करेगी।

- पीएम नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आगरा मेट्रो परियोजना के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस दौरान यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस कार्यक्रम में शामिल रहे।

- कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि आगरा में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का एक नया स्वरूप मेट्रो के रूप में प्राम्भ शुरू हो रहा है। आगरा के ऐतिहासिक शहर को मेट्रो मिलने जा रही है। उन्होंने कहा कि आगरा में 26 लाख आबादी है साथ ही प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक यहां आकर पर्यटन का लाभ लेते है। यहां के पर्यावरण में दिक्कत आ रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी टिप्पणी की थी मेट्रो से इसमें असर पड़ेगा।

- शहरी विकास राज्यमंत्री हरदीप पुरी बोले आगरा में अच्छा काम किया है पूरे देश में 100 स्मार्ट सिटी में आगरा चौथे नंबर पर है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने 2004 से 2014 तक केवल 150 लाख करोड़ शहरी विकास योजनाओं पर खर्च हुआ था, जबकि मोदी सरकार के 2014 से 2020 तक के कार्यकाल में 10 लाख करोड़ से ज्यादा के काम हुए हैं।

यूपी मेट्रो रेल कार्पोरेशन की देख-रेख में होगा काम

यूपी सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि आगरा मेट्रो रेल परियोजना का काम यूपी मेट्रो रेल कार्पोरेशन की देख रेख में होगा। आगरा मेट्रो रेल 29.4 किमी लंबा होगा और इसमें दो कॉरिडोर होंगे। ताज ईस्ट गेट से सिकंदरा लगभग 14 किमी होगा और 13 मेट्रो स्टेशन होंगे। दूसरा कॉरिडोर आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक होगा और इसकी लंबाई 15.4 किमी होगी इसमें तहत कुल 14 मेट्रो स्टेशन होंगे।

'भारत बंद' का समर्थन कर रही कांग्रेस पर BJP का वार

रविशंकर प्रसाद बोले- अस्तित्व बचाने को आंदोलन में होती है शामिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के तीनों कृषि कानून के खिलाफ किसानों के हो रहे आंदोलन को लेकर बीजेपी ने सोमवार को कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर वार किया। केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस अपना अस्तित्व बचाने के लिए आंदोलन में शामिल होती है। मालूम हो कि किसानों ने 8 दिसंबर को 'भारत बंद' का ऐलान किया है, जिसका कांग्रेस, आम आदमी पार्टी समेत लगभग सभी विपक्षी दलों ने समर्थन किया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, आज जब कांग्रेस का राजनीतिक वजूद खत्म हो रहा है। बार-बार चुनाव में हार मिल रही है, फिर चाहे लोकसभा हो, विधानसभा हो या नगर निगम चुनाव हों। यह अपना अस्तित्व बचाने के लिए किसी भी विरोधी आंदोलन में शामिल हो जाती है। उन्होंने कहा कि किसानों से संबंधित सुधारों को लेकर जो कानून बने हैं, उसको लेकर कुछ किसान संगठनों ने जो शंका उठाई है, उसके लिए चर्चा हो रही है। चर्चा की अपनी प्रक्रिया है, जो सरकार कर रही है। लेकिन अचानक तमाम विपक्षी या गैर-भाजपाई दल कूद गए हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि किसान आंदोलन के नेताओं ने साफ-साफ कहा है कि राजनीतिक लोग हमारे मंच पर नहीं आएंगे। हम उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं। लेकिन ये सभी कूद रहे हैं, क्योंकि इन्हें भाजपा और नरेंद्र मोदी का विरोध करने का एक और मौका मिल रहा है।आज जब कांग्रेस का राजनीतिक वजूद खत्म हो रहा है, ये बार-बार चुनाव में हारते हैं चाहे वो लोकसभा हो, विधानसभा हो या नगर निगम चुनाव हो।

'कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र में किया था वादा'

कांग्रेस पर हमला करते हुए कानून मंत्री ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 2019 के चुनाव में अपने चुनावी घोषणा पत्र में साफ-साफ कहा है कि एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केट एक्ट को समाप्त करेगी और किसानों को अपनी फसलों के निर्यात और व्यापार पर सभी बंधनों से मुक्त करेगी।

फाइजर के बाद अब सीरम इंस्टीट्यूट ने वैक्सीन 'कोविशील्ड' के आपात उपयोग की मंजूरी मांगी

बनी पहली भारतीय कंपनी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस वैक्सीन के लिए महीनों से जारी कवायद अब रंग लाती दिख रही है। फाइजर के बाद अब सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने अपनी कोरोना वैक्सीन अपने कोविशील्ड वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की अनुमति मांगी है। सीरम भारत में ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके कोविशील्ड के आपातकालीन उपयोग की औपचारिक मंजूरी प्राप्त करने के लिए भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) के समक्ष आवेदन करने वाली पहली स्वदेशी कंपनी बन गई। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने महामारी के दौरान चिकित्सा आवश्यकताओं और व्यापक स्तर पर जनता के हित का हवाला देते हुए यह मंजूरी दिये जोन का अनुरोध किया है। इससे पहले शनिवार को अमेरिकी दवा निर्माता कंपनी फाइजर की भारतीय इकाई ने उसके द्वारा विकसित कोविड-19 टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की औपचारिक मंजूरी के लिए भारतीय दवा नियामक के समक्ष आवेदन किया था। फाइजर ने उसके कोविड-19 टीके को ब्रिटेन और बहरीन में ऐसी ही मंजूरी मिलने के बाद यह अनुरोध किया था। वहीं, एसआईआई ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद

(आईसीएमआर) के साथ मिलकर रविवार को देश के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके कोविशील्ड के तीसरे चरण का क्लीनिकल परीक्षण भी किया। आधिकारिक सूत्रों ने एसआईआई के आवेदन का हवाला देते हुए कहा कि कंपनी ने बताया है कि क्लीनिकल परीक्षण के चार डाटा में यह सामने आया है कि कोविशील्ड लक्षण वाले मरीजों और खासकर कोविड-19 के गंभीर मरीजों के मामले में खासी प्रभावकारी है। चार में से दो परीक्षण डाटा ब्रिटेन जबकि एक-एक भारत और ब्राजील से संबंधित है।

किसान आंदोलन–सरकार और किसानों के बीच तनातनी का असर, बढ़ सकते हैं फल–सब्जियों के दाम

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनकारी किसानों द्वारा दिल्ली के अधिकांश बॉर्डर पर प्रदर्शन जारी रहने के साथ, व्यापारियों और कृषि उपज मंडियों ने रविवार को कहा कि इस सप्ताह राजधानी शहर में फलों और सब्जियों की कीमतों में तेज बढ़त की संभावना है। जब तक किसानों और सरकार का मसला हल नहीं हो जाता, ये बरकरार रहेगा। फिलहाल तीन महीने पहले संसद द्वारा पारित तीन विवादास्पद कानूनों के खिलाफ बीते 12 दिनों से किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। आजादपुर कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) के अध्यक्ष आदिल खान ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में आपूर्ति किए जाने वाले फलों और सब्जियों के 80त्न से अधिक दिल्ली के आजादपुर कृषि बाजार से आता है। यहां औसतन एक दिन में फल और सब्जी का आगमन लगभग 5,500 मीट्रिक टन तक गिर गया है, जबकि पिछले साल इसी समय के दौरान लगभग 11,500 मीट्रिक टन की आपूर्ति हुई थी। खान ने कहा, ÷केंद्र सरकार को किसानों की मांगों को सुनना चाहिए और जल्द से जल्द इस मुद्दे को

हल करना चाहिए। अब तक, फलों और सब्जियों की कीमत में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है क्योंकि व्यापारी पिछले एक सप्ताह से स्थानीय आपूर्ति को पूरा कर रहे हैं और राज्य से बाहर नहीं भेज रहे हैं। लेकिन अब लगभग खत्म हो गया है और आपूर्ति में गिरावट बहुत अधिक है। कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के 12 वें दिन भी अन्नदाता राजधानी की सड़कों पर डटे हुए हैं। किसानों और सरकार के बीच शनिवार को पांचवें दौर की बातचीत बेनतीजा रही है। कांग्रेस, टीआरएस, द्रमुक और आप ने केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संघों द्वारा आठ दिसंबर को %भारत बंद के आह्वान के प्रति रविवार को अपना समर्थन जताया। इन कानूनों को निरस्त किये जाने की मांग को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन पिछले 11 दिन से जारी है। इन विपक्षी पार्टियों से पहले शनिवार को तृणमूल कांग्रेस, राजद और वामपंथी दलों ने भी बंद का समर्थन किया था। किसानों की मांग पर सरकार लगातार उनसे बातचीत कर रही है और आंदोलन खत्म करने के लिए अपील कर रही है। सरकार बीच का रास्ता निकालने की कोशिश मे जुटी है, लेकिन किसान नेता तीनों कृषि कानूनों की वापसी से कम मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

दिल्ली के कई ऑटो और टैक्सी एसोसिएशन ने किया भारत बंद का समर्थन, यात्रियों को हो सकती है दिक्कत

नई दिल्ली। किसानों के महाआंदोलन को अब देशव्यापी रूप देने की तैयारी है। किसान संगठनों ने 8 दिसंबर (मंगलवार) को भारत बंद बुलाया है। विपक्षी दलों समेत कई क्षेत्रीय संगठनों ने किसान संगठनों द्वारा किए गए 'भारत बंद' के आह्वान को अपना समर्थन दिया है। भारत बंद का असर दिल्ली में भी देखने को मिल सकता है। दिल्ली में आगामी मंगलवार को यात्रियों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि शहर के कुछ ऑटो और टैक्सी संघों ने केन्द्र के नए कृषि कानूनों के विरोध में आठ दिसंबर को बुलाए गए 'भारत बंद' के समर्थन का फैसला किया है। हालांकि, कई अन्य संघों ने किसानों के आंदोलन को अपना समर्थन देने के बावजूद सेवाएं सामान्य तौर पर जारी रखने का निर्णय लिया है। दिल्ली टैक्सी टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने

एक बयान में कहा कि कई आटो-टैक्सी संगठन आठ दिसंबर के भारत बंद में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को अपना समर्थन जताने के लिए विभिन्न बस एवं टैक्सी संगठनों के प्रतिनिधि रविवार को सिंघु बॉर्डर भी पहुंचे।

क्या भूकंप से घट गई माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई ? आज नेपाल करेगा संशोधित हाईट का ऐलान

काठमांडू। साल 2015 में नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप से दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एरेस्ट की ऊंचाई को नुकसान पहुंचा है या नहीं, इसका पता कल यानी मंगलवार को लग जाएगा। दरअसल, नेपाल कल दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट की संशोधित ऊंचाई की घोषणा करेगा। बताया जा रहा है कि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी की ऊंचाई का सही माप लेने के लिए करीब एक साल तक डेटा कलेक्ट करने पर काम किया गया है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, नेपाल के सर्वेक्षण विभाग ने सभी मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को एक निमंत्रण भेजा है, जिसमें एवरेस्ट की नई ऊंचाई की घोषणा के लिए कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई है। सर्वेक्षण विभाग के उप महानिदेशक सुशील नरसिंह राजभंडारी ने सूचना दी है कि कल इस कार्यक्रम में उन

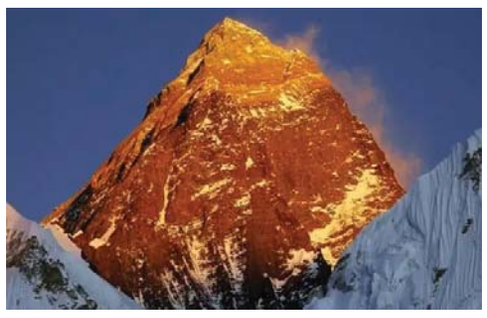

लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा, जो इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल थे।

नेपाल सरकार ने चोटी की सही ऊंचाई को मापने का लक्ष्य रखा है कि 2015 में आए विनाशकारी भूकंप सहित विभिन्न कारणों से इसकी ऊंचाई में बदलाव आ सकता है। द राइजिंग नेपाल समाचार पत्र ने कहा कि सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा 1954 में की गई माप के अनुसार माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 8,848 मीटर है। चीन की सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, 1975 में चीनी सर्वेक्षकों ने माउंट एवरेस्ट को मापा था और इसकी ऊंचाई समुद्र तल से 8,848.13 मीटर ऊपर बतायी थी।

सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा 1954 में एवरेस्ट की ऊंचाई मापी गई थी, जिसके मुताबिक, इसकी ऊंचाई 8,848 मीटर थी। दुनिया की इस सबसे लंबी चोटी को नेपाल में सागरमाथा के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि 2015 में आए भूकंप से नेपाल में न सिर्फ लोगों की मौतें हुई थीं, बल्कि काफी नुकसान भी पहुंचा था।

अब चीन को मिलेगा करारा जवाब, भारत में सबसे पहले तैयार होगी मैरीटाइम थियेटर कमान तैयार

नई दिल्ली। देश की पहली थियेटर कमान अगले साल के शुरू में अस्तित्व में आ सकती है। पहली थियेटर कमान मैरीटाइम कमान होगी, जिसकी जिम्मेदारी भारतीय समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा होगी। इस कमान को बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। सेनाओं में हो रहे सुधारों के तहत देश में कुल सात थियेटर कमान बनाई जानी हैं। इनमें चीन सीमा के लिए उत्तरी थियेटर कमान, पाकिस्तान सीमा के लिए पश्चिमी थियेटर कमान तथा दक्षिण भारत के लिए पेनसुएला थियेटर कमान शामिल हैं।

समुद्र और द्वीपों की सुरक्षा के लिए मैरीटाइम थियेटर कमान तथा हवाई सुरक्षा के लिए एयर डिफेंस थियेटर कमान बनेगी। सूत्रों के अनुसार इन पांच कमान के बनाने का कार्य पूरा होने के बाद एक स्पेस थियेटर कमान एवं एक लॉजिस्टिक थियेटर कमान भी बनाई जाएगी। सूत्रों के अनुसार मैरीटाइम थियेटर कमान बनाने का कार्य प्रगति पर है तथा इसमें तीनों सेनाओं को एकीकृत किया जा रहा है।

जल्द ही अंडमान-निकोबार ट्राई

सर्विस कमान को भी इसमें मर्ज कर दिया जाएगा। देश में अभी अंडमान-निकोबार एकमात्र ऐसी कमान है, जिसमें तीनों सेनाएं पहले से शामिल हैं। लेकिन इस कमान का क्षेत्र सीमित है, जिसे अब मैरीटाइम कमांड में शामिल कर लिया जाएगा। नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह के अनुसार, मैरीटाइम कमान को बनाने का कार्य तेजी पर है। अन्य कमानों के मुकाबले जिस रफ्तार से काम चल रहा है, उससे उम्मीद है कि जो पहली थियेटर कमान आकार लेगी वह मैरीटाइम कमान होगी।

चीन एवं अमेरिका की तर्ज पर ये थियेटर कमान बनाई जा रही है। चीन पांच थियेटर कमान बना चुका है। थियेटर कमान के भीतर तीनों सेनाओं का बैकअप होता तथा इसका एक प्रमुख और एक मुख्यालय होता है। इनके पीछे असल मकसद सुरक्षा बलों की प्रतिक्रिया को त्वरित करना और मारक क्षमता में इजाफा करना है। इसमें संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल भी सुनिश्चित होता है।

2022 तक तैयार होंगी पांच कमान

सैन्य मामलों के विभाग द्वारा थियेटर कमान गठन के कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। 2022 के अंत तक पांच कमान तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। जबकि स्पेस कमान एवं लॉजिस्टिक कमान को तैयार करने में थोड़ा और वक्त लग सकता है।

मौजूदा कमान

अभी सेना की सात, वायुसेना की छह तथा नौसेना की तीन कमान हैं। जबकि अंडमान-निकोबार ट्राई सर्विस कमान है। थियेटर कमान बनने के बाद ये कमान खत्म कर दी जाएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बढ़ता आंदोलन

देश जब एक आंदोलन की वजह से तनाव की ओर बढ़ता दिख रहा है, तब न केवल चिंता, बल्कि विचार-विमर्श की जरूरत भी बहुत बढ़ गई है। विरोध के लिए विरोध के बजाय सकारात्मक विमर्श की जरूरत है, ताकि समाधान की राह जल्दी निकल सके। पांचवें दौर की विफल वार्ता से यह तय हो गया था कि सरकार अभी किसानों को समझा नहीं पा रही है और किसान भी अब पहले की तुलना में अपनी मांगों को लेकर ज्यादा दृढ़ दिखने लगे हैं। सरकार ने बार-बार कहा है, एमएसपी की व्यवस्था यथावत जारी रहेगी, लेकिन किसान इससे आश्वस्त नहीं हैं। वे नए कानूनों में एमएसपी का प्रावधान चाहते हैं, ताकि निजी कंपनियां भी एमएसपी से नीचे कोई खरीदी न करें। कृषि के हर कानून में एमएसपी को अनिवार्य करने से जो व्यावहारिक समस्या आएगी, सरकार उसे किसानों को समझा नहीं पा रही है। बहुत सारी फसलें हैं, जिनके लिए एमएसपी नहीं है, लेकिन तब भी किसान उन फसलों को उगाते ही हैं, क्योंकि उन्हें लाभ होता है। देश में कुछ ऐसे क्षेत्र या राज्य भी हैं, जहां एमएसपी की व्यवस्था काम नहीं करती, लेकिन तब भी वहां किसान खेती करते ही हैं। समग्रता में किसानों के हित में सोचने की जरूरत है और यह भी सोच लेना चाहिए कि क्या हमने अपनी निजी कंपनियों का लाभ नहीं लिया है? लेकिन जब कोई आंदोलन 'हां या ना' के चरण में चला गया हो, तब सरकार पर ही ज्यादा जिम्मेदारी है कि आंदोलन को कैसे शांत किया जाए। क्या तीन कृषि कानूनों को कुछ समय के लिए टाला या कुछ समय के लिए वापस लिया जा सकता है? क्या इन तीनों कानूनों को लागू करने के लिए जमीनी आधार तैयार किया जा सकता है? सरकार को किसानों को सहमत करने के लिए कितना समय चाहिए? क्या इन कानूनों को तत्काल लागू करना जरूरी हो गया है? इन सवालों के जवाब हमें और सरकार को खोजने चाहिए। बहरहाल, पांचवें दौर की वार्ता नाकाम होने के बाद अब सबकी निगाह 8 दिसंबर को आयोजित भारत बंद और फिर 9 दिसंबर को प्रस्तावित किसान-सरकार वार्ता पर केंद्रित हो गई है। प्रमुख विपक्षी कांग्रेस के अलावा एक-एक कर सभी सियासी दल किसानों की मांग के समर्थन में खड़े होने लगे हैं और 8 दिसंबर को प्रस्तावित भारत बंद को समर्थन देने वालों की तादाद बढ़ती चली जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सीमाओं और यहां रहने वालों के बारे में भी जरूर सोच लेना चाहिए। यह अचरच की बात नहीं, यह किसानों का देश है और कोई भी किसानों के खिलाफ दिखना नहीं चाहेगा। जो लोग तीन कृषि कानूनों के विरोध में नहीं थे, वे भी किसानों के साथ खड़े होने लगे हैं, तो भारत की हकीकत समझना कतई कठिन नहीं है। क्या किसान-सरकार वार्ता भारत बंद से पहले संभव नहीं थी? भारत बंद से क्या अर्थव्यवस्था को लाभ होगा? ऐसे आंदोलन के जल्द से जल्द समापन का यत्न आज समय और देश की मांग है। काश, हमारे देश में कृषि पर पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद फैसले लिए जाते, तो यह नौबत नहीं आती, लेकिन हमें समझना चाहिए कि विचार-विमर्श की जरूरत कभी खत्म नहीं होती। इसी से राह भी निकलेगी। कोई इस आंदोलन के पक्ष में हो या विपक्ष में, पर दुनिया देख रही है कि सत्य, अहिंसा आधारित लोकतांत्रिक भारत अपने फैसले कैसे लेता है।

आज के ट्वीट

वापस

मैं तो कहता हूं सरकार यह कानून वापस ले ले और हर साल के ₹6000 भी बंद कर दे जैसे चल रहा था वैसे चलने दो पता नही मोदी जी क्यों सम्पन किसानों को तबाह करना चाहते हैं? -- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

समाधान के साथ भरोसा भी लौटाएं

सुरेश सेठ

नये युग का चेहरा कुछ इस तेजी से बदला है कि जहां इस परिचित सत्य के अर्थ बदल गये हैं, वहीं युग परिवर्तन के नाम पर जिन नये कानूनों का आविर्भाव हुआ है, भुक्तभोगी को लगता है कि यहां क्रांति और जागरण के नाम पर इसके लिए अंधेरे का एक और साम्राज्य खड़ा कर दिया गया है। भारत की पहचान एक कृषि प्रधान देश के रूप में रही है। भारत की दो-तिहाई आबादी आज भी गांवों में रहती है। आधी आबादी आज भी खेतीबाड़ी में लगी है। लेकिन दिन बदल गये। कभी जिस खेतीबाड़ी से देश की सकल घरेलू आय का पचास प्रतिशत मिल जाता था, वह आज बीस प्रतिशत से कम हो गया। जो खेतीबाड़ी कभी जीवन-निर्वाह खेती थी, वह व्यावसायिक तेवर लेते ही पिछड़ने लगी। किसानों की औसत छोटी जोत, दकियानूसी फसल चक्र से चिपके रहने की ललक और शोषक महाजनी सभ्यता ने उसकी कमर कुछ इस प्रकार तोड़ दी कि भारतीय खेती अब ग्रामीण समुदाय के लिए जीने का ढंग नहीं, मात्र एक लाभ-हानि का धंधा रह गयी है। इसमें लागत अधिक और प्राप्ति कम है। कोरोना के आतंकी प्रकोप से पहले ही गांवों में बसती युवा पीढ़ी अपने इस जीने के ढंग से टूट, इसे एक घाटे का व्यवसाय मान अपने इस विरासती धंधे से अलग होने लगी थी। देश के गांवों से युवा पीढ़ी का पलायन अपने इस घाटे के धंधे से दूर वैकल्पिक जीवन तलाशने के लिए परदेस के महानगरों की ओर दौड़ने लगा था। सही है इस नये परिवेश ने बाहें फैला कर उनका स्वागत नहीं किया, लेकिन उन्हें पृथक नहीं तो दोयम दर्ज की नागरिकता देकर खाने-पीने का वसीला तो दे ही दिया। चीन के वुहान से चली और पूरे विश्व को प्रकम्पित करती कोरोना वायरस की गाज विश्व पर गिरी। मंदीग्रस्त होते गरीब भारत को दुर्दिन भेंट कर गया कोरोना महामारी का प्रकोप। लगभग एक बरस के इस आर्थिक दुर्दशा के दिनों में देश का सकल घरेलू उत्पादन तेईस प्रतिशत गिरा और देश की आर्थिक विकास दर बढ़ने के स्थान पर नौ प्रतिशत गिर गयी। नया ठौर तलाशते लोग फिर उखड़ गये और वापस अपनी ग्रामीण सभ्यता में आश्रय तलाश करने लौटे। वैसे कृषक भारत समय की चुनौती पर खरा उतरा। जहां देश के बुनियादी उद्योगों की विकास दर निरंतर गिरती चली गयी, छोटे-बड़े उद्योग और व्यवसाय अनचाही मौत को गले लगाने लगे, सेवा क्षेत्र दीवाले के अवसाद में घिर गया वहां केवल देश की खेतीबाड़ी, उसके किसानों का अनथक परिश्रम और फसलों का भरपूर परिणाम ही एक ऐसा मुक्ति मार्ग निकला, जिसने देश को अकाल पीड़ित होने से बचा लिया। यह सही है कि आठ महीनों की इस कोरोना महामारी ने देश को बेकारी की अप्रत्याशित दर और रिकार्ड तोड़ महंगाई की ऊंचाई दी। लेकिन यह भी सच है कि इस महामारी की अकर्मण्यता ने ग्रामीण समाज के पुरुषार्थ को नहीं छुआ। उसके खेतों की लहलहाती फसलों ने देश को वही प्रतिफल दे दिया जो उसने पिछले बरसों में दिया था। देश अकाल पीड़ित होने से बच गया। एक नये सत्य का साक्षात्कार हुआ कि इस विकट समय में देश को कृषक और उसके प्रतिफल ने देश को भुखमरी से बचाया, इसलिए अब अंधाधुंध पश्चिमीकरण के स्थान पर अपनी कृषि की ओर लौटना ही श्रेयस्कर है। अब जरूरत है कि मंदी से त्रस्त शहरीकरण के स्थान पर एक नये ग्रामीण भारत के निर्माण की। खेती के उस आधुनिकीकरण की, जिसमें परदेस और महानगरों से उखड़ कर लौटता हुआ युवा अपने जीवन और कर्म के लिए एक नया अर्थ प्राप्त कर सके। पिछले दिनों घोषणा हुई कि सरकार ऐसे कानून ला रही है कि किसानों की आय दोगुनी हो जायेगी। तीन कानून संसद से पारित होकर आ गये। कहा गया कि किसान अब अपनी फसल केवल नियमित मंडियों में सरकारी खरीद एजेंसियों या निजी व्यापारियों को घोषित एमएसपी पर ही नहीं, देश की किसी भी नयी मंडी में बेच सकेंगे। न मार्केट फीस लगेगी, न आढ़त। किसान को मिले प्रतिदान में होती आठ प्रतिशत की कटौती नहीं रहेगी। यहीं पेच फंस गया। शांता राम कमेटी ने चार बरस पहले बताया था कि एमएसपी पर पहले भी छह प्रतिशत से अधिक फसल नहीं बिकती थी, नयी खुली मार्केट की ताकत उन्हें नये ग्राहक, सही कीमत दे देगी। लेकिन ये नयी मंडियां मांग और पूर्ति के संतुलन से चलेंगी। बिहार का उदाहरण सामने है, जहां 2006 में यह क्रय-विक्रय का ढंग और वैकल्पिक मंडियां चली थीं, आज नियमित मंडियां कहीं नजर भी नहीं आतीं। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान का आक्रोश इस सच के सामने कटिबद्ध हो खड़ा हो गया। तर्क दिया गया कि सारा देश नहीं, केवल ये राज्य आलोड़ित हैं। इनमें से भी पंजाब के किसानों के लगातार रेलों के चक्का जाम से अपनी ही आर्थिकता, बिजली और खेतीबाड़ी की नींव हिल गयी। अब हजारों किसानी जत्थे हरियाणा बार्डर के सरकारी पुलिस अवरोधों से जूझते हुए राजधानी के प्रवेश मार्गों को घेरे हैं। हरियाणा के किसान और खाप पंचायतें, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कृषक समुदाय का हिस्सा भी इसमें शामिल है। उनका दर्द दो कानूनों को लेकर है अर्थात आवश्यक वस्तु अधिनियम की घोषणा को सीमित करके धनाढ्य को फसल खरीद के संग्रह की मनमर्जी छूट देने और एक अन्य कानून में कार्पोरेट घरानों को जमीन का ठेका ले सकने की छूट पर भी है। वैसे देश की किसानी का ढंग पहले भी यही था। आर्थिक रूप से मजबूर किसान एमएसपी से कम कीमत पर फसल बेचने, जमीन बटाई और अग्रिम सौदों के नाम पर पहले भी ठेका फार्मिंग कर रहा था और फसलों की जमाखोरी की काली चालें पहले भी कीमतों का हुलिया बिगाड़ रही थी, लेकिन अब किसान का दर्द यह है कि इस सबको अब कानूनी मान्यता मिल गयी। यह तो धनियों का खुला खेल फर्रुखाबादी हो गया। किसानों से सरकार की कई दौर की बात हो गयी पर असफल रही। अधिकारी स्तर पर भी और मंत्री स्तर पर भी। हर बार इन नये कानूनों की उपादेयता पर व्याख्यान मिले या मौखिक आश्वासन। अब जब हजारों किसान दिल्ली के मुख्य द्वार पर बैठ गये तो सरकारी चिंतन के द्वार खुले। देश के मुखिया वार्ता की मेज तक आये। यह पूरा घटनाक्रम एक त्रासद अनुभव छोड़ गया है। देश की रीढ़ है कृषक समाज। उसके नवनिर्माण का दावा ही नहीं, व्यवस्था तंत्र में उसके भरोसे को लौटाना होगा। नेताओं के आश्वासन उसे हमेशा हवाई ही क्यों लगते हैं, उसे अपनी आर्थिक हालत बदलने के लिए प्रतिबद्ध क्यों नहीं लगते। क्यों उसे लगता है कि उसकी आय दोगुनी कर देना तो महज एक थपकीभरा बहाना है, असल बात तो छोटी जोतों से भरे कृषक समाज को कार्पोरेट क्षेत्र की दया पर छोड़ देना है। भारतीय कृषि की अंधेरी जिंदगी को उज्ज्वल भविष्य में बदल सकना ही उसका स्थायी समाधान है। इसके लिए किसानों को धान और गेहूं के दकियानूसी फसल चक्र को बदलना होगा। उन्हें अपनी संवाद यात्रा में सरकारी महाप्रभु एक लिखित आश्वासन दे दें कि उनकी आर्थिक हालत को और रसातल में नहीं जाने दिया जायेगा तो इसमें हर्ज ही क्या है?

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

सेवा कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

सेवा ऐसा कार्य है जो लगता तो सामान्य, छोटा और कुछ लोगों की दृष्टि से ओछा भी पर वस्तुत- सही मायने में व्यक्तियों के व्यक्तित्व को सुगढ़ बनाने, परिमार्जित करने और तप तितिक्षा के लिए तैयार करने में आधार का काम करता है। संत विनोबा, गांधी जी, मदर टेरेसा आदि पुण्यात्मा सेवा कार्य को आजीवन करते रहे। वे समझते थे सेवा की महत्ता को। सेवा कार्य आत्मा की आवश्यकता का पोषण है। उसको निरंतर और निर्बाध गति से करते रहना इसलिए आवश्यक है कि हम जीवित रहें, हमारी आत्मा और उसकी सुरुचि जीवित रहे। किसी पर एहसान करने के लिए, दूसरों के सहायक और उपकारी बनने के लिए, अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए भी नहीं। सेवा का प्रयोजन आत्मा की गरिमा को अक्षुण्ण रखने और उसका जीवन साधन जुटाए रखने के लिए है। इसलिए इसे करते रहना चाहिए। ऐसा सोचना उचित नहीं कि मैंने इतना तो कर लिया, क्या अब सदा ही करता रहूंगा? जो सेवा की आवश्यकता और महत्ता को समझता है, उसे उससे कभी भी ऊब नहीं आती। जो ऊबता हो समझना चाहिए, अभी उसे सेवा का रस नहीं आया। जब एक बार उस परम धर्म का रसास्वादन कर लिया जाता है, तो उसे छोड़ सकना संभव नहीं होता। फूलों में कैसा रस है, इसे मधुमक्खी जानती है और वह जन्म से लेकर मरण पर्यंत अनवरत रूप से उसी मधुरिमा में निमग्न रहती है। न थकती है, न ऊबती है, और कभी यह नहीं सोचती कि इतना लंबा समय मधु संचय के प्रयोजन में लग गया, अब कोई धंधा ढूंढेंगे, विश्राम करेंगे। वह ऐसा इसलिए नहीं सोच सकती कि उसकी अंतरात्मा उस क्रियाकलाप की गरिमा को समझी ही नहीं, स्वीकार भी कर चुकी है। भ्रमर का आशय और कहां है? पराग से विमुख होकर वह और क्या खोजे? तितली को अपने सौंदर्य के समतुल्य पुष्प के अतिरिक्त और कुछ दीखता ही नहीं। आखिर, वह जाए भी कहां?

बैठे भी कहां? करे भी तो क्या? जिनका दृष्टिकोण उत्कृष्टता का अभ्यस्त हो गया, उन्हें निकृष्टता की दुर्गंध में श्वास ले सकना संभव भी नहीं है। सेवा धर्म छोड़कर अन्यत्र आत्मा की गरिमा के अतिरिक्त और कोई कार्य है भी तो नहीं।

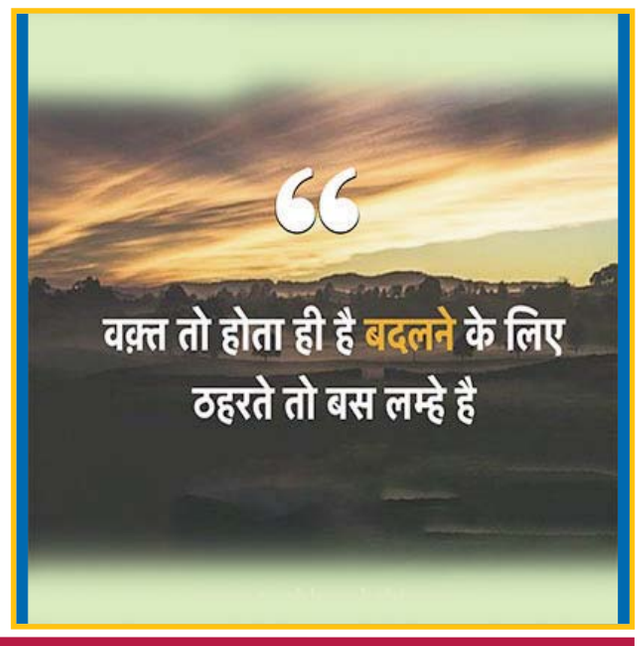

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सरलता से गरल को मधु बनाना

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

भौतिकता के जंजाल में उलझी दुनिया आज जाने क्यों आस्था, विश्वास और अदृश्य शक्ति के प्रति युगों से चली आती अपनी अनुभूति को भी स्वीकार नहीं करना चाहती? महाकवि तुलसीदास ने विश्व कृति के रूप में समादृत अपनी रचना रामचरित मानस में बहुत ही मार्के की बात कही है। जब राजा दशरथ ज्येष्ठ पुत्र राम को राज्य देने का निश्चय करते हैं तो अचानक कैकेयी की हठ के कारण राम को चौदह वर्षों के वनवास का आदेश मिलता है। भरत ननिहाल से लौटकर जब कुलगुरु महर्षि वशिष्ठ से इसका कारण पूछते हैं तो वशिष्ठ कहते हैं कि सुनहु भरत भावी प्रबल, कह रोए मुनि नाथ। हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हाथ। जीवन के इस परम सत्य में कुल छह ऐसी बातें हैं, जो मनुष्य के हाथ में नहीं हैं, बल्कि विधि अर्थात किसी परम सत्ता के हाथों में होती हैं। इस सच्चाई को जानते हुए भी मनुष्य इन छह में से तीन अर्थात लाभ, जीवन और यश का कर्ता तो स्वयं को मानने लगता है और शेष तीन अर्थात हानि, मरण और अपयश के लिए दोषी भाग्य या किसी और को मानता है। एक प्रसंग पढ़कर मैं सोचता रहा कि जीवन क्या सचमुच किसी अदृश्य परमसत्ता से ही संचालित हो रहा है? वह प्रसंग है-रात नौ बजे अचानक मुझे एलर्जी हो गई। घर पर दवाई थी नहीं, न ही उस समय मेरे अलावा घर में कोई और था। ड्राइवर भी अपने घर जा चुका था। बाहर हल्की बारिश की बूंदें बरस रही थीं। दवा की दुकान ज्यादा दूर नहीं थी, लेकिन बारिश की वज़ह से पैदल न जाकर मैंने रिक्शा लेना ही उचित समझा। नज़दीक ही राम मन्दिर बन रहा था। एक रिक्शा वाला भगवान से कुछ प्रार्थना कर रहा था। मैंने उससे पूछा-क्यों भाई, चलोगे तो उसने सहमति में सिर हिलाया। रिक्शा वाला काफी बीमार लग रहा था और उसकी आंखों में आंसू भी थे। मैंने पूछा-क्या हुआ भैया! रो क्यूं रहे हो और तुम्हारी तबियत भी ठीक नहीं लग रही है? उसने बताया कि बाबूजी, बारिश की वजह से तीन दिन से सवारी नहीं मिली और मैं भूखा भी हूं। बदन भी दर्द कर रहा है। मैं अभी भगवान से प्रार्थना कर रहा था कि आज मुझे कुछ खाना दे दो, मेरे रिक्शे के लिए सवारी भेज दो। मैं रिक्शा रुकवाकर दवा की दुकान पर चला गया। मैं वहां खड़ा-खड़ा सोच रहा था... कहीं भगवान ने ही तो मुझे इसकी मदद के लिए नहीं भेजा है? क्योंकि यदि यही एलर्जी आधे घंटे पहले हो जाती तो मैं ड्राइवर से दवा मंगाता, तब रात को बाहर निकलने की मुझे कोई ज़रूरत ही नहीं थी और रिक्शे में भी मैं न बैठता। मैंने मन ही मन भगवान से पूछ ही लिया कि मुझे बताइए कि क्या आपने रिक्शे वाले की मदद के लिए ही मुझे भेजा है? मुझे मन से जवाब मिला-हां...। तब मैंने भगवान को धन्यवाद दिया और अपनी दवाई के साथ ही रिक्शे वाले के लिए भी दवा ले ली। जाने किस प्रेरणा से मैंने बगल के रेस्तरां से छोले-भटूरे पैक करवाए और रिक्शे पर आकर बैठ गया। जिस मन्दिर के पास से मैंने रिक्शा लिया था, वहीं पहुंचने पर मैंने रिक्शा रोकने को कहा। रिक्शा वाले के हाथ में किराए के 30 रुपये दिए और गर्म छोले-भटूरे का पैकेट और दवा देकर बोला-लो, यह खाना खाकर दवा भी खा लेना। एक-एक गोली ये दोनों अभी और एक-एक कल सुबह नाश्ते के बाद और उसके बाद मुझे आकर फिर दिखा जाना। रोते हुए रिक्शा वाला बोला-मैंने तो भगवान से दो रोटी मांगी थी, मगर भगवान ने तो मुझे छोले और भटूरे दे दिए। कई महीनों से यही खाने की इच्छा थी। आज मेरे भगवान ने मेरी प्रार्थना सुन ली। कई बातें वह बोलता रहा और मैं स्तब्ध होकर उसकी बातें सुनता रहा। घर आकर मैंने सोचा कि उस रेस्तरां में तो बहुत सारी चीज़ें थीं, मैं कुछ और भी तो ले सकता था उसके लिए। क्या सच में ही भगवान ने मुझे रात को अपने भक्त की मदद के लिए ही वहां भेजा था..? हम जब कभी किसी की मदद करने सही वक्त पर पहुंचते हैं तो इसका मतलब यही होता है कि उस व्यक्ति की प्रार्थना भगवान ने सुन ली और हमें अपना प्रतिनिधि बनाकर उसकी मदद के लिए भेज दिया है। क्या सचमुच कोई ऐसी परम सत्ता है, जो हमें किसी न किसी रूप में कठपुतली की तरह नचाती है और हमें पता तक नहीं चलता कि हम जो कार्य कर रहे हैं, वह कराने वाला तो कोई और है? लगता है कि भौतिकवादी होकर हम सब खुद को ही हर अनुकूल बात या उपलब्धि का कारण मान कर इतराने लगते हैं और प्रतिकूलता का सारा दोष जान बूझकर ईश्वर के मत्थे मढ़ देते हैं। आइए, कभी तो जीवन के जंजालों से बाहर निकल कर कुछ देर के लिए जीवन की उपलब्धियों के लिए परम सत्ता का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करना सीख लें। संकल्प लें कि जीवन को सरल बनाकर जीएंगे, ताकि जो गरल है, वह मधु बन सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शहद को लेकर डाबर और मैरिको ने लगाए एक दूसरे पर आरोप, ASCI को मिली 4 शिकायतें

बिजनेस डेस्क: देश की दो बड़ी स्वस्थ्य कंपनियां- डाबर और मैरिको, अपने शहद ब्रांड को लेकर आमने-सामने हैं। विवाद इतना बढ़ गया है कि दोनों कंपनियां मामले को भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (ASCI) के पास ले गई हैं। इस बीच, विज्ञापन नियामक एएससीआई ने किसी ब्रांड का नाम लिए बिना कहा है कि उसे पिछले कुछ महीनों में शहद ब्रांडों के खिलाफ चार शिकायतें मिली हैं।

डाबर और मैरिको बीच विवाद

डाबर ने दावा किया है कि प्रतिस्पर्धी कंपनी मैरिको सफोला शहद को लेकर गलत विज्ञापन दिखा रही है। डाबर के मुताबिक मैरिको का सफोला शहद ब्रांड न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस यानी ह्रस्क परीक्षण पर खरा नहीं उतरा है। डाबर के मुताबिक परीक्षण रिपोर्ट साफ तौर पर सफोला शहद में चीनी सिरप की मौजूदगी का संकेत देती है। इस मामले को लेकर डाबर ने मैरिको के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

मैरिको ने की थी शिकायत

डाबर के इस दावे को खारिज करते हुए मैरिको का कहना है कि सफोला शहद, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) के सभी गुणवत्ता मानकों पर भी खरा उतरता है। इससे पहले, मैरिको ने ASCI के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। मैरिको ने डाबर के इस दावे को चुनौती दी कि उसका शहद जर्मन एनएमआर परीक्षण में सफल रहा है। मैरिको के मुताबिक डाबर ने अपने उत्पाद डाबर हनी को लेकर दावा किया है कि यह ह्रस्क जांच के अनुसार शुद्ध शहद है। NMR पर खरा होने का दावा गलत और गुमराह करने वाला पाया गया है।

मिलावटी शहद पर घिरी हैं कंपनियां

हाल ही में सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (CSE) की जांच में पता चला है कि देश की कई बड़ी नामी कंपनियां ग्राहकों को मिलावटी शहद बेच रही हैं। इनमें डाबर, पतंजलि, बैद्यनाथ, झंडू, हितकारी और एपिस हिमालय जैसी कंपनियां भी शामिल हैं। हालांकि, डाबर और पतंजलि का कहना है कि हम भारत में ही प्राकृतिक तौर पर मिलने वाला शहद इकट्ठा करते हैं और उसी को बेचते हैं। इन दोनों कंपनियों के मुताबिक CSE जांच के जरिए ब्रांड्स की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है।

एलजी ग्रुप ने बनाया एआई रिसर्च हब

सोल। एलजी ग्रुप ने कहा कि उसने एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्च हब का निर्माण किया है, ताकि आने वाले समय में विकास के भिन्न अवसरों का पता लगाया जा सके। एलजी एआई रिसर्च को एलजी समूह के 16 सहयोगी कंपनियों में शामिल किया गया है, जिनमें एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स, एलजी केम शामिल है। इसका मकसद इन्हें एआई सॉल्यूशंस के बारे में जानकारी देना है। समूह द्वारा अगले तीन सालों में सेंटर के रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर एंड डी) प्रोजेक्ट्स और वैश्विक प्रतिभाओं की नियुक्ति के लिए 18.4 करोड़ डॉलर का निवेश किया जाएगा। एलजी समूह के प्रमुख कू क्व ॉन्ग-मो ने कहा, एलजी के एआई का मकसद इंसान के जीवन को तकनीकि से परे अधिक मूल्यवान बनाना है। हम इसे अपना समर्थन देंगे ताकि यह ग्लोबल इकोसिस्टम के केंद्र के रूप में कार्य कर सके। सिन्हुआ के मुताबिक, एलजी एआई थिंक टैंक को एलजी मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के तहत प्रबंधित किया जाएगा। इसमें एआई की विभिन्न तकनीकियों पर शोध किया जाएगा, जिसमें प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण पर आधारित डीप लर्निंग से लेकर बड़े-बड़े आंकड़ों के विश्लेषण तक शामिल होंगे। एलजी को अपने एआई सेंटर से उम्मीद है कि यह उनके सहयोगियों से संबंधित समस्याओं को हल करने में मददगार साबित होगा, जिसमें रिचार्जेबल बैटरियों की आयु से लेकर नए ड्रग मैटेरियल्स का भी पता लगाना शामिल है। एलजी एआई रिसर्च की योजना अपने वर्कफोर्स को अगले साल तक 100 तक बढ़ाने की है। कंपनी ने कहा है कि सेंटर द्वारा समूह के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा ताकि साल 2023 तक इसे 1,000 तक बढ़ाया जा सके।

नये शिखर पर पहुंचा सेंसेक्स; निफ्टी ने लगायी 97 अंक की छलांग

मुम्बई।

अधिकतर एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बावजूद दूरसंचार, पीएसयू और उपभोक्ता उत्पाद समूह की कंपनियों में हुई जबरदस्त लिवाली के दम पर बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 347.42 अंक की तेज छलांग लगाकर 45,426.97 अंक के नये शिखर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.73 प्रतिशत की तेजी में 13,555.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स आज तेजी में 45,099.92 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 45,458.92 अंक के अब तक के उच्चतम स्तर तक पहुंचा। कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयरों में आयी गिरावट से यह कारोबार के दौरान 45,024.47 अंक के दिवस के निचले स्तर तक लुढ़का। अंत में यह गत दिवस की तुलना में 0.77 प्रतिशत यानी 347.42 अंक की बढ़त में 45,426.97 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से 19 कंपनियां हरे निशान में और 11 लाल निशान में रहीं। निफ्टी भी बढ़त में 13,264.85 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 13,366.65 अंक के दिवस के उच्चतम और 13,241.95 अंक के दिवस के निचले स्तर से होता हुआ गत दिवस की तुलना में 97.20 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की बढ़त में 13,555.75 अंक पर बंद हुआ।हिंदुस्तान यूनीलीवर और आईटीसी जैसी कंपनियों में निवेशकों ने जमकर पैसा लगाया जिससे निफ्टी को बल मिला। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक चीन के कुछ अधिकारियों पर अमेरिका द्वारा जल्द प्रतिबंध लगाये जाने की खबरों से शुरुआती कारोबार में बढ़त हासिल करने वाले एशियाई बाजारों में बिकवाली का दबाव बढ़ गया। हालांकि , कोरोना वैक्सीन से जुड़ी सकारात्मक खबरों ने बाजार को समर्थन दिया ।

2021 की दूसरी छमाही में कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएगी अमेरिकी अर्थव्यवस्था: सर्वे

न्यूयॉर्क: अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार 2020 में सुस्त बनी हुई है लेकिन बहुत से अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अगले साल की दूसरी छमाही तक अर्थव्यवस्था कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएगी। नेशनल एसोसिएशन फॉर बिजनेस इकनॉमिक्स के ताजा सर्वे में यह अनुमान लगाया गया है। सर्वे के अनुसार 73 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों का मानना है कि 2021 के अंत तक अमेरिकी अर्थव्यवस्था महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएगी। कुछ माह पहले हुए सर्वे में 38 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों का मानना था कि अर्थव्यस्था 2022 से पहले पूरी तरह महामारी के प्रभाव से उबर जाएगी। इससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में सुधार को लेकर भरोसा बढ़ा है। सर्वे प्रमुख होली वेड ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि कोरोना वायरस के एक या अधिक टीके जल्द आएंगे, जिससे अर्थव्यवस्था को और तेजी से उबरने में मदद मिलेगी। फार्मा कंपनियां नैदानिक परीक्षण के उत्साहवर्धक नतीजों के बाद अमेरिकी नियामकों से उनके वैक्सीन 'कैंडिडेट% के इस्तेमाल की अनुमति मांग रही हैं। सर्वे में कहा गया है कि टीके को व्यापक रूप से उपलब्ध कराए जाने से अगले साल कारोबार क्षेत्र पर अंकुश और कम होंगे तथा खरीदारों का भरोसा बढ़ेगा। इससे कंपनियां भी अधिक खर्च करेंगी।

नए सिरे से तैयार हो रही है PCPIR नीति, केंद्र की होगी बड़ी भूमिका

नई दिल्ली:

पेट्रोलियम, रसायन एवं पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) नीति को पूरी तरह नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। नए सिरे से तैयार नीति के तहत 2035 तक 20 लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित कर भारत को पेट्रोलियम, रसायन, पेट्रोरसायन प्रसंस्करण और विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने में केंद्र की बड़ी भूमिका होगी। पीसीपीआईआर नीति-2007 पूरी तरह विफल हो गई थी। इसमें खर्च का ज्यादातर बोझ राज्यों को वहन करना था। प्रस्तावित नई नीति 2020-35 में पीसीपीआईआर की पूरी अवधारणा को नए सिरे से तैयार किया गया है। पुरानी नीति में आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इसके तहत प्रत्येक निवेश क्षेत्र के आकार को 250 वर्ग किलोमीटर से घटाकर विशेष क्लस्टर एकीकरण रणनीति के साथ 50 वर्ग किलोमीटर किया जा रहा है। पीसीपीआईआर को राष्ट्रीय संरचना पाइपलाइन से जोड़ने से इसे काफी प्रोत्साहन मिल सकता है। 2007 में तैयार नीति में भारी शुरुआती पूंजीगत लागत की वजह से प्रस्तावित परियोजनाएं आगे नहीं बढ़ पा रही थीं।

दाल-सब्जी के बाद दूध, चीनी और चायपत्ती के बढ़े दाम

बिजनेस डेस्क:

महंगी दालों और सब्जियों ने तो पहले से ही रसोई के बजट को बिगाड़ रखा है लेकिन अब चीनी, दूध और चाय पत्ती की कीमतों में भी इजाफा देखने को मिला है। पिछले एक हफ्ते में चीनी के भाव में 9.32 फीसदी का उछाल आया है। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के अनुसार, 30 नवंबर को देश के खुदरा बाजार में चीनी का औसत मूल्य 39.68 रुपए प्रति किलो था जो कि 7 दिसंबर को बढ़कर 43.38 रुपए हो गया है। इसके अलावा खुली चाय के रेट्स में भी करीब 11.57 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। चाय पत्ती का रेट 238.42 रुपए से बढ़कर 266 रुपए पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा दूध के भाव में भी करीब 7 फीसदी तक का इजाफा देखने को मिला है। दूध का भाव 46.74 रुपए से बढ़कर 50 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

शादियों के सीजन में टमाटर हुआ और लाल

टमाटर की कीमतों में इस हफ्ते सबसे ज्यादा उछाल आया है। 30 नवंबर की तुलना में 7 दिसंबर को टमाटर 37.87 फीसदी महंगा है। आज टमाटर का औसत भाव 49.88 रुपए प्रतिकलो है, जो 30 नवंबर को 36.18 रुपए था। हालांकि आलू-प्याज की कीमतों में नरमी देखने को मिल रही है। इस अवधि में आलू 4.17 फीसदी सस्ता होकर 46.31 रुपए प्रति किलो से 44.38 रुपए पर आ गया है। जबकि, प्याज 4.36 फीसदी गिरकर 55.03 रुपए से 52.63 रुपए पर आ चुका है।

सोया तेल हुआ महंगा, सरसों-मूंगफली के भाव गिरे

इस एक हफ्ते में अधिकतर खाद्य तेलों के भावों में गिरावट देखी गई। पैक पाम तेल 102 रुपए से 92 रुपए, सूरजमुखी तेल 124 से 123, मूंगफली तेल 156 से 145 और सरसों तेल भी 135 से 132 रुपए प्रति लीटर पर आ गया है। केवल सोया तेल की कीमतों में 6 फीसदी का उछाल देखा गया, इसकी औसत कीमत अब 106 से 113 रुपए पर पहुंच गई है।

सस्ता हुआ आटा-चावल और गेहूं

मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, आम आदमी को गेहूं, चावल और आटे के भाव में राहत मिली है। गेहूं के भाव में करीब 19.45 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। इस समय गेहूं का भाव 29 रुपए से फिसलकर 24 रुपए पर पहुंच गया है। इसके अलावा खुदरा बाजार में आटे का भाव 32 रुपए से फिसलकर 28 रुपए पर पहुंच गया है। इसके अलावा चावल के रेट में भी गिरावट हुई है। वहीं चना और उड़द दाल सस्ते हुए हैं।

नए साल पर मोदी सरकार गांवों को देने जा रही एक और गिफ्ट, 60 करोड़ LED बल्ब बांटने की तैयारी

बिजनेस डेस्क:

सार्वजनिक क्षेत्र की एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लि. (ईईएसएल) अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी समेत देश के पांच शहरों के ग्रामीण इलाकों से ग्रामीण उजाला नाम से नया कार्यक्रम शुरू करेगी। ऊर्जा दक्षता को गांवों में ले जाने और बिजली बिल में कमी के जरिए वहां रहने वाले लोगों की बचत बढ़ाने के इरादे से यह योजना शुरू की जा रही है।

10-10 रुपए प्रति बल्ब की दर से चार LED बल्ब वितरित

चरणबद्ध तरीके से लागू की जाने वाली इस योजना के तहत गांवों में प्रति परिवार 10-10 रुपए प्रति बल्ब की दर से तीन से चार एलईडी बल्ब वितरित किए जाएंगे। योजना से जुड़े एक सूत्र ने कहा, ''ग्रामीण उजाला योजना नाम से कार्यक्रम अगले महीने जनवरी 2021 के दूसरे सप्ताह से शुरू किया जा सकता है। इसके तहत लगभग 15 से 20 करोड़ ग्रामीण परिवार के बीच 60 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए जाने की योजना है।" सूत्र ने बताया कि योजना चरणबद्ध तरीके से लागू होगी।

शुरू में इसे उत्तर प्रदेश के वाराणसी (प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र), बिहार के आरा, महाराष्ट्र के नागपुर, गुजरात के वडनगर और आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू किया जाएगा। उसने कहा कि योजना को अगले तीन महीने यानी अप्रैल तक पूरे देश में लागू करने की योजना है। इस योजना के तहत 10 रुपए प्रति एलईडी की दर से 15 से 20 करोड़ परिवार को 3 से 4 बल्ब दिए जाने का लक्ष्य है।

50,000 करोड़ रुपए सालाना होगी बचत

बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले उपक्रम एनटीपीसी, पीएफसी, आरईसी और पावरग्रिड... की संयुक्त उद्यम कंपनी अभी उजाला कार्यक्रम के तहत 70 रुपए प्रति बल्ब की दर से 36.50 करोड़ से अधिक एलईडी बल्ब का वितरण कर चुकी है लेकिन इसमें से 20 प्रतिशत बल्ब ही ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित हो पाए हैं। ग्रामीण उजाला कार्यक्रम के लाभ के बारे में सूत्र ने कहा, ''इस योजना के लागू होने से करीब 9324 करोड़ यूनिट सालाना बचत होगी जबकि 7.65 करोड़ टन सालाना कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।'' उसने कहा कि इस योजना से ऊर्जा बचत के रूप में करीब 50,000 करोड़ रुपए सालाना बचत का अनुमान है। सूत्र ने कहा, ''इससे जहां लोगों की बिजली बिल के रूप में पैसे की बचत होगी वहीं एक सतत और बेहतर जीवन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही एलईडी बल्ब की मांग बढ़ने से निवेश भी बढ़ेगा।%% उसने कहा, ''इस कार्यक्रम के लिए केंद्र या राज्यों से कोई सब्सिडी नहीं ली जाएगी और जो भी खर्च होगा, वह ईईएसएल स्वयं करेगी।

हम कार्बन ट्रेडिंग के माध्यम से लागत की वसूली करेंगे।'' ईईएसएल ने उजाला कार्यक्रम के अंतर्गत एलईडी बल्ब के अलावा ट्यूबलाइट और ऊर्जा दक्ष पंखों का भी वितरण किया है। इसके प्रमुख कार्यक्रमों में उजाला के अलावा एसएलएनपी (स्ट्रीट लाइटिंग नेशनल प्रोग्राम), स्मार्ट मीटर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ईवी चार्जिंग ढांचागत सुविधा आदि शामिल हैं।

योजनाओं को बंद करने पर यूनिटधारकों की सहमति को वोटिंग 26-28 दिसंबर को: फ्रैंकलिन टेंपलटन

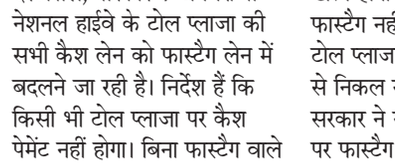

नई दिल्ली:

फ्रैंकलिन टेंपलटन म्यूचुअल फंड ने सोमवार कहा कि उसने छह निश्चित आय योजनाओं को उचित तरीके से बंद करने के लिए यूनिटधारकों की मंजूरी मांगी है। कंपनी ने बयान में कहा कि इस बारे में यूनिटधारकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रक्रिया 26 से 28 दिसंबर तक चलेगी। उसके बाद 29 दिसंबर को संबंधित योजनाओं के यूनिटधारकों की बैठक होगी। यूनिटधारकों को इस बारे में मत देना है कि क्या इन योजनाओं को बंद किया जाना चाहिए या नहीं। यदि यूनिटधारक योजनाओं को बंद नहीं करने के पक्ष में मत देते हैं, तो इन योजनाओं को खरीद और निकासी के लिए पुनः खोल दिया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को फ्रैंकलिन टेंपलटन को एक सप्ताह के भीतर यूनिटधारकों की बैठक बुलाने और छह म्यूचुअल फंड योजनाओं को बंद करने के बारे में उनकी सहमति लेने का निर्देश दिया था। फ्रैंकलिन टेंपलटन एमएफ ने कहा कि मतदान की प्रक्रिया का उद्देश्य कंपनी के ट्रस्टियों द्वारा छह योजनाओं को बंद करने के फैसले के बारे में यूनिटधारकों की मंजूरी प्राप्त करना है। यूनिटधारकों से प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग मंजूरी ली जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक मतदान की प्रक्रिया को संपन्न कराने की जिम्मेदारी फिनटेक को दी गई है। कंपनी का मानना है कि यदि यूनिटधारक योजनाओं को बंद करने के पक्ष में मत देते हैं, तो यह उनके लिए लाभदायक होगा क्योंकि इससे संपत्तियों का मौद्रिकरण सुगमता से हो सकेगा और उन्हें अधिकतम मूल्य मिल सकेगा। फ्रैंकलिन टेंपलटन ने 23 अप्रैल को छह बांड म्यूचुअल फंड योजनाओं को बंद करने की घोषणा की थी। जिन योजनाओं को बंद किया गया है कि उनमें फ्रैंकलिन इंडिया लो डुरेशन फंड, फ्रैंकलिन इंडिया अल्ट्रा शॉर्ट बांड फंड, फ्रैंकलिन इंडिया शॉर्ट टर्म इनकम प्लान, फ्रैंकलिन इंडिया क्रेडिट रिस्क फंड, फ्रैंकलिन इंडिया डायनमिक एक्यूरल फंड और फ्रैंकलिन इंडिया इनकम अपॉरच्यूनिटीज फंड शामिल हैं।

महंगाई की एक और मार: 20त्न तक महंगे हो सकते हैं फ्रिज, टीवी समेत कई इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट

बिजनेस डेस्क:

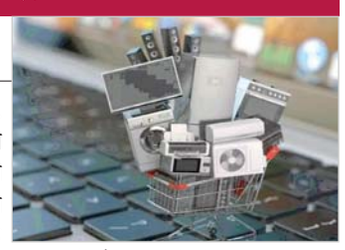

अगर आप नया टीवी, फ्रिज, एसी या वॉशिंग मशीन जैसे इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट की खरीदारी करने वाले हैं तो जल्द करें। खबर है कि इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने वाली कंपनियां कच्चे माल के दाम में वृद्धि के चलते प्रोडक्ट की कीमतों में वृद्धि की तैयारी कर रही हैं। अंग्रेजी अखबार इकोनॉमिक टाइम्स में छपी खबर के अनुसार कंपनियां बहुत जल्द टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव आदि की कीमत में 20 फीसदी तक बढ़ोत्तरी कर सकती हैं। खबर के अनुसार ये कंपनियां इसी महीने कीमत वृद्धि से जुड़ा निर्णय ले सकती हैं। बताया जा रहा है कि इन कंपनियों पर कॉपर, जिंक और अल्युमिनियम के अलावा महंगे प्लास्टिक की मार पड़ रही है। हालांकि कोरोना संकट से उबर रही ये कंपनियां पिछले कई दिनों से कीमतों को लेकर दबाव में थी लेकिन अब संभव है कि ये कंपनियां दिसंबर में ही कीमतों में वृद्धि का फैसला ले लें।

महंगे कच्चे माल ने बढ़ाई मुश्किलें

दरअसल इस कीमत वृद्धि के पीछे मुख्य कारण कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि है। इन प्रॉडक्ट्स को तैयार करने में कॉपर, जिंक, एल्युमिनियम, स्टील, प्लास्टिक और फोमिंग एजेंट्स का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। कॉपर जिंक और अल्युमिनियम की कीमतों में 20 से 40 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। वहीं प्लास्टिक की कीमतों में 30 से 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समंदर के रास्ते का किराया 40-50 फीसदी तक बढ़ चुका है। ग्लोबल शॉर्टेज के कारण टेलीविजन पैनल की कीमत में 100 फीसदी तक की तेजी आई है।

त्योहारों के बाद महंगाई की मार

इंडस्ट्री के लोगों का कहना है कि फेस्टिव सीजन के दौरान हमारे पास मांग काफी अधिक थी। इसलिए हमने प्रोडक्ट महंगे करने का फैसला नहीं किया था लेकिन अब हमारी मजबूरी है कि कीमत में इजाफा करें। कीमत बढ़ाने पर मांग में आई तेजी गिर जाने की पूरी संभावना है। कई सालों के बाद कीमत में अचानक से इतनी तेजी आएगी।

इन 120 रेलवे स्टेशनों पर देना होगा ज्यादा किराया, कैबिनेट बैठक में होगा फैसला!

बिजनेस डेस्क:

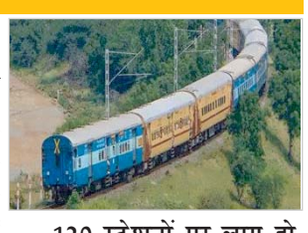

जल्द ही देश के बड़े रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को ज्यादा किराया देना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि स्टेशनों की खूबसूरती बढ़ाने और सुविधाओं का विस्तार करने के लिए सरकार ने 100 से ज्यादा स्टेशनों को रीडेवलपमेंट के लिए चुना है। स्टेशन रीडेवलपमेंट का काम प्राइवेट प्लेयर की तरफ से किया जाएगा। निजी निवेशक आएंगे तो वह अपनी कमाई का साधन भी ढूंढेंगे। जाहिर है कि उन्हें लुभाने के लिए स्टेशन पर यात्रियों को यूजर चार्ज देना होगा। इस बारे में सरकार बहुत जल्द बड़ा फैसला ले सकती है।

कैबिनेट जल्द ले सकती है फैसला

टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के अनुसार, कैबिनेट अगले दो सप्ताह में यूजर्स चार्ज को लेकर फैसला ले सकती है। यूजर्स चार्ज कितने स्टेशनों पर लागू करना है, यह फैसला रेल मंत्रालय को लेना है। माना जा रहा है कि यह चार्ज 10-50 रुपए के बीच होगा। अलग-अलग क्लासेज के लिए यह चार्ज अलग-अलग होगा। फर्स्ट क्लास पैसेंजर्स के लिए यह मैक्सिमम होगा।

120 स्टेशनों पर लागू हो सकता है यूजर्स चार्ज

माना जा रहा है कि पहले चरण में 120 स्टेशनों पर यूजर्स चार्ज को लागू किया जाएगा। इसमें नई दिल्ली, मुंबई (छत्रपति शिवाजी टर्मिनस), नागपुर, तिरुपती, चंडीगढ़, ग्वालियर जैसे स्टेशन शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक नई दिल्ली और मुंबई के लिए बिडिंग डेट को बढ़ाकर 18 दिसंबर और 15 दिसंबर कर दिया गया है। निजी निवेशकों को लुभाने के लिए रेलवे इस कदम पर विचार कर रहा है। यूजर्स चार्ज सीधे निजी निवेशकों को जाएगा। ऐसे में उनके लिए यह फिक्स इनकम की तरह होगी। इस कदम से वे निवेश को आकर्षित होंगे। सूत्रों का यह भी कहना है कि इसका असर प्लैटफॉर्म टिकट पर भी होगा। पैसेंजर्स के मामले में यह किराए में शामिल कर लिया जाएगा। अनरिजर्व्ड कैटिगरी में यह चार्ज शामिल किया जाएगा या नहीं, फिलहाल इसको लेकर सहमति नहीं बन पाई है।

1 जनवरी से बदल जाएंगे FASTag के नियम, शुरू होगी खास सर्विस

बिजनेस डेस्क:

अगर आपकी गाड़ी पर फास्टैग नहीं लगा है और आप दोगुना टैक्स देने से बचना चाहते हैं तो आपको प्री-पेड टच एंड गो कार्ड (प्री- पेड टच एंड गो कार्ड सर्विस) का इस्तेमाल करना होगा। दरअसल, सरकार 1 जनवरी से नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा की सभी कैश लेन को फास्टैग लेन में बदलने जा रही है। निर्देश हैं कि किसी भी टोल प्लाजा पर कैश पेमेंट नहीं होगा। बिना फास्टैग वाले वाहन टोल से नहीं निकल पाएंगे लेकिन अब एनएचआईए ने इस सख्ती में थोड़ी छूट दी है। ऐसी गाड़ियों के लिए टोल प्लाजा पर एक स्पेशल हाइब्रिड लेन होगी। एनएचएआई प्री-पेड टच-एंड-गो कार्ड लागू करने जा रहा है। इससे सभी टोल प्लाजा पर भीड़भाड़ खत्म होगी और जिन्होंने अब तक फास्टैग नहीं लगवाया है वह भी टोल प्लाजा से बिना रुके आराम से निकल सकेंगे। जिक्रयोग है कि सरकार ने सभी प्रकार की गाड़ियों पर फास्टैग अनिवार्य कर दिया था। फास्टैग नहीं लगवाने वालों से दोगुनी टोल लेने की भी योजना थी।

टोल प्लाजा पर मिलेगा कार्ड, ऑनलाइन रिचार्ज कर सकेंगे

जिनके वाहनों पर फास्टैग नहीं हैं, वे टोल प्लाजा पर पॉइंट-ऑफ-सेल्स (पीओएस) से इन प्री-पेड कार्ड को खरीद सकते हैं। यदि वे फास्टैग के बजाय इन कार्डों का उपयोग करते हैं, तो उनसे दोगुनी राशि नहीं ली जाएगी। यहां तक कि फास्टैग धारक भी इन कार्डों का उपयोग कर सकते हैं यदि उनका फास्टैग ब्लैकलिस्टेड या फेल हो जाता है या वे उसे रिचार्ज करना भूल जाते हैं। प्री-पेड कार्ड की खरीद और रिचार्ज के लिए प्रत्येक राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा पर दो पीओएस बनाए जाएंगे। प्री-पेड कार्ड खरीदने के बाद, ग्राहक इसे नेट बैंकिंग या पीओएस पर भी रिचार्ज कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्मिथ को कप्तान बनाने के लिए प्रक्रिया का पालन करना होगा : लैंगर

सिडनी। आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाने से पहले एक सतत प्रक्रिया का पालन करना होगा। लैंगर ने फॉक्स स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा, जाहिर सी बात है कि हमने कई चीजों पर बात की। स्मिथ ने 51 वनडे, 34 टेस्ट और आठ टी-20 मैचों में टीम की कप्तानी की है। स्मिथ पर बॉल टेम्परिंग के कारण क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कप्तानी करने से दो साल का बैन लगाया है। लैंगर ने कहा, हमारे पास कई सारे विकल्प हैं। स्मिथ ने अतीत में काफी अच्छा काम किया है। वह एक बार फिर कप्तान बने इसके लिए हमें एक प्रक्रिया का पालन करना होगा। हम इसे देखेंगे। मुख्य कोच ने कहा, आप सम्मान कमाने की बात करते हैं तो, इंग्लैंड में द ओवल में दर्शकों ने उन्हें स्टेंडिंग ओवेशन दिया था, वह बिना तमगे के लीडरशिप दिखाने के लिए सही काम कर रहे हैं। दूसरे टी-20 मैच में आस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान एरॉन फिंच नहीं खेले थे और मैथ्यू वेड को टीम की कप्तानी करनी पड़ी थी। इसके बाद एक बार फिर स्मिथ को कप्तानी सौंपने का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है।

सिडनी टी-20 : 4 साल बाद फिर कंगारुओं के खिलाफ क्लीन स्वीप करना चाहेगा भारत

सिडनी।

भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर आस्ट्रेलिया के साथ होने वाले तीसरे और अंतिम टी-20 मैच को जीतकर सीरीज में क्लीन स्वीप करना चाहेगी।भारत के पास आस्ट्रेलिया में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 में दूसरी बार क्लीन स्वीप करने का मौका होगा। भारत ने इससे पहले 2016 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 में 3-0 से क्लीन स्वीप की थी। भारत ने रविवार को दूसरा टी-20 मैच छह विकेट से जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इस मैच में हार्दिक पांड्या ने बल्ले से 22 गेंदों पर 42 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी। भारत ने कैनबरा के मनुका ओवल में पहला टी-20 11 रनों से जीता था। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने दूसरे वनडे के बाद कहा था, इस मैच से पहले हमने कहा था कि हम अच्छी स्थिति में होंगे और फैन्स से हमें समर्थन मिलेगा। इस मुश्किल समय में इससे आपको ऊर्जा मिलती है। अगला मैच बेहद रोमांचक होने जा रहा है। हम सीरीज जीत चुके हैं, लेकिन हम पेशेवर होना चाहते हैं और हम निडर होकर खेलना चाहते हैं। भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2008 में केवल एक टी-20 मैच हारा था, उसके बाद से उसने या तो टी-20 सीरीज ड्रॉ कराई है या फिर से उसे अपने नाम की है। दोनों टीमों के पास सीमित ओवरों की सीरीज में उनके शीर्ष स्तरीय गेंदबाज है। दूसरे टी-20 में दोनों टीमों की ओर से तेज गेंदबाजों का जलवा देखने को नहीं मिला था। भारत ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को दूसरे टी-20 मैच से आराम दिया था। वहीं, आस्ट्रेलिया को मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की सेवाएं नहीं मिल पाई थी जबकि पैट कमिंस पहले ही टीम से बाहर हैं।लेकिन भारत की बल्लेबाजी शानदार दिख रही है। आस्ट्रेलिया के दो सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर चोट से जूझ रहे हैं जबकि एरॉन फिंच दूसरे टी-20 में नहीं खेले थे। फिंच को पहले मैच में चोट लग गई थी और मैथ्यू वेड ने उनकी जगह दूसरे मैच में कप्तानी की थी। मंगलवार को होने वाले तीसरे मैच में हार्दिक पांड्या, शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, वाशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, दीपक चाहर, टी नटराजन, मनीष पांडे और युजवेंद्र चहल के लिए अपनी छाप छोड़ने का मौका होगा।

अभ्यास मैच : ग्रीन के शतक से आस्ट्रेलिया-ए को बढ़त

सडनी। भारतीय गेंदबाजों के सराहनीय प्रदर्शन के बीच कैमरून ग्रीन की नाबाद 114 रनों की पारी के दम पर आस्ट्रेलिया-ए ने तीन दिवसीय अभ्यास मैच में 39 रनों की बढ़त ले ली है। भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट के नुकसान पर 247 घोषित कर दी थी जवाब में आस्ट्रेलिया-ए ने दूसरे दिन सोमवार का खेल खत्म होने तक आठ विकेट के नुकसान पर 286 रन बना लिए हैं। भारत ने दिन की शुरुआत आठ विकेट के नुकसान पर 237 रनों के साथ की थी। मोहम्मद सिराज (0) के आउट होने के एक रन बाद ही भारत ने पारी घोषित कर दी। टीम की कप्तानी कर रहे अजिंक्य रहाणे 242 गेंदों पर 18 चौके और एक छक्का लगाकर 117 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी पहली पारी खेलने उतरी आस्ट्रेलिया-ए को विल पुकोवस्की (1) के रूप में पहला झटका लगा। जोए बर्न्स (4) भी जल्दी लौट लिए। मार्कस हैरिस (35) और कप्तान ट्रेविस हेड (18) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में बदल नहीं पाए। ग्रीन ने इस बीच मैदान पर कदम रखा और भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाते रहे। भारतीय गेंदबाज हालांकि दूसरे छोर से विकेट निकाल रहे थे। हैरिस और हेड के जाने के बाद निक मेडिसन (23) और टिम पेन (44) क्रमशः रविचंद्रन अश्विन और उमेश यादव का शिकार बने। एक दिन पहले भारत के दो अहम विकेट लेने वाले मिशेल नासेर ने भी 33 रनों की पारी खेली। वह रन आउट हुए। ग्रीन 173 गेंदों का सामना कर 10 चौके और एक छक्का लगा चुके हैं। भारत की तरफ से उमेश ने 44 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज और अश्विन के हिस्से भी दो-दो विकेट आए।

संक्षिप्त स्कोरः ऑस्ट्रेलिया एः 286/8 (कैमरून ग्रीन 114 नाबाद, टिम पेन 44; उमेश यादव 3/44) भारत ए के खिलाफ 39 रन की बढ़त : 247/9 पर पारी घोषित (अजिंक्य रहाणे 117 नाबाद) , चेतेश्वर पुजारा 54; जेम्स पैटिंसन 3/58)

मर्सिडीज की गलती से पेरेज ने जीती अपनी पहली एफ-1 रेस

सखिर (बहरीन)।

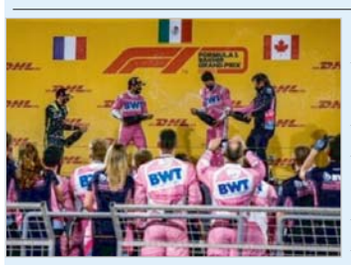

रेसिंग प्वाइंट के सर्जियो पेरेज ने यहां साखिर ग्रां प्री में अपनी पहली फॉर्मूला-1 रेस जीत ली है। पेरेज की इस जीत में मर्सिडीज की भी भूमिका रही, जिसने जॉर्ज रसेल की कार में गलत टायर फिट कर दिया। रसेल एक समय पेरेज से आगे चल रहे थे, लेकिन गलत टायर फिट होने से वह पीछे हो गए और पेरेज ने जीत हासिल कर ली। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रसेल की कार फॉर्मूला-1 चैंपियन की लिडिंग कार थी। इसमें रसेल ने लुइस हैमिल्टन के लिए आवाज उठाई, क्योंकि सात बार के विश्व चैंपियन लुइस हैमिल्टन बहरीन में कोविड-19 से संक्रमित पाए गए थे। जब मर्सिडीज ने रसेल और टीम के साथी वाल्टेरी बोटास दोनों को पिट में बुलाया तो उन्होंने गलती से बोटास के फ्रंट टायरों को रसेल की कार में फिट कर दिया।रसेल को फिर से सही टायर लगवाने के बाद पिट करना पड़ा जबकि बोटास को वापस उनकी जगह पर भेज दिया गया। लेकिन रसेल ने वापसी करते हुए रेसिंग प्वाइंट के पेरेज को कड़ी टक्कर दी। रेनॉ के इस्टेबन ओकोन दूसरे स्थान पर रहे, जोकि करियर की उनकी सर्वश्रेष्ठ स्थान है। पेरेज के टीम साथी लांस स्ट्रोल को तीसरा और मैक्लॉरेन के कार्लोस सैंज को चौथा स्थान मिला। रेनॉ के ही डेनियल रिकाडरे को पांचवां स्थान मिला।

दक्षिण अफ्रीका-इंग्लैंड के बीच दूसरा वनडे स्थगित

केपटाउन।

दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच न्यूलैंड्स में सोमवार को खेला जाने वाले दूसरा वनडे मैच स्थगित कर दिया गया है।यह फैसला क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा लिया गया है। दोनों बोर्ड इस समय इंग्लैंड की तरफ से दो संभावित पॉजिटिव कोविड-19 टेस्ट के परिणाम का इंतजार कर रहे हैं। बोर्ड ने एक बयान में कहा, एक बार रिव्यू का परिणाम आ जाए तो इसके बाद सीएसए और ईसीबी चर्चा करेंगे कि वनडे सीरीज के बाकी के बचे दो मैचों का क्या करना है। इससे पहले बोलैंड पार्क मैदान पर खेला जाने वाला पहला वनडे रद्द कर दिया गया था। इंग्लैंड की टीम जिस होटल में रुकी थी उस होटल के दो स्टाफ कोविड-19 पॉजिटिव निकले थे। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाड़ी और प्रबंधन ने शनिवार शाम को अपना आरटी-पीसीआर टेस्ट कराया था। तीन मैचों की वनडे सीरीज चार नवंबर से न्यूलैंडस से शुरू होनी थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी टीम का एक खिलाड़ी पॉजिटिव निकलने के बाद चार तारीख का वनडे छह तारीख के लिए स्थागित कर दिया गया था जो बाद में रद्द हो गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने शुक्रवार को अपना दोबारा टेस्ट कराया था जिसमें सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई थी।

संक्षिप्त समाचार

फॉर्मूला-1 चैंपियन मर्सिडीज पर लगा 20,000 यूरो का जुर्माना

साखिर (बहरीन)। फॉर्मूला- 1 चैंपियन मर्सिडीज पर यहां साखिर ग्रां प्री में जॉर्ज रसेल की कार में गलत टायर फिट करने को लेकर 20,000 यूरो का जुर्माना लगाया गया है। जॉर्ज रसेल की कार फॉर्मूला 1 चैंपियन की लिडिंग कार थी। इसमें रसेल ने लुइस हैमिल्टन के लिए आवाज उठाई, क्योंकि सात बार के विश्व चैंपियन लुइस हैमिल्टन बहरीन में कोविड-19 से संक्रमित पाए गए थे। एफ-1 की रिपोर्ट के अनुसार, जब मर्सिडीज ने रसेल और टीम के साथी वाल्टेरी बोटास दोनों को पिट में बुलाया तो उन्होंने गलती से बोटास के फ्रंट टायरों को रसेल की कार में फिट कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस घटना की सुनवाई के दौरान पाया गया कि यह स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है और इस पर खेल जुर्माना लगाया जाएगा। रिपोर्ट में साथ ही यह भी कहा गया है कि ड्राइवर पर जुर्माना लगाने के बजाय गवर्निंग बॉडी एफआईए ने टीम को ठीक करने का विकल्प चुना क्योंकि उनका कहना है कि इस मामले में परिस्थितियों में कमी आ रही है। इसके बाद रसेल अपना पहला प्वाइंट लेने में कामयाब रहे और इसके साथ ही वह ड्राइवर्स चैम्पियनशिप में 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं। 2020 एफ-1 का अगला और अंतिम राउंड 13 दिसंबर को अबू धाबी ग्रां प्री में होगा।

फॉक्स स्पोर्टर्स आस्ट्रेलिया ने 2024 तक खरीदे सीएसए के मीडिया अधिकार

जोहान्सबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने सोमवार को फॉक्स स्पोर्टर्स आस्ट्रेलिया के साथ नए प्रसारण साझेदारी की घोषणा की है। यह करार 2023-24 सीजन तक का होगा। इस करार के तहत फॉक्स स्पोर्टर्स आस्ट्रेलिया चार साल तक दक्षिण अफ्रीका की पुरुष और महिला क्रिकेट टीम के सभी अंतर्राष्ट्रीय मैच दिखाएगा।इस करार की शुरुआत पिछले सप्ताह इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की सीरीज से हुई। सीएसए के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुगांड्री गावेंडेर ने एक बयान में कहा, यह प्रसारण करार एक मुश्किल चुनौती में किया गया है, जहां कोविड-19 ने वैश्विक स्तर पर वित्तीय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सीएसए इसलिए फॉक्स स्पोर्टस के साथ करार कर अपनी क्रिकेट का विस्तार कर काफी खुश हैं। यह दक्षिण अफ्रीका के अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर को भी बढ़ाएगा। आस्ट्रेलियाई टीम इस सीजन के अंत में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी और वह फरवरी-2021 में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए यहां पहुंचेगी। यह सीरीज मार्च के अंत तक चलेगी।

प्रीमियर लीग : आर्सेनल को हराकर टॉटेनहम टॉप पर काबिज

लंदन।

हैरी केन और सोन हेयूंग मिन के एक-एक गोलों की मदद से टॉटेनहम हॉटस्पर ने नॉर्थ लंदन डर्बी में खेले गए मैच में आर्सेनल को 2-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) की अंकतालिका में अपना टॉप स्थान कायम रखा है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, केन के अब सभी प्रतियोगितओं में 14 गोल और 12 असिस्ट कर चुके हैं जबकि सोन के नाम 13 गोल और छह असिस्ट है। दोनों खिलाड़ियों ने रविवार को खेले गए मैच में अपनी टीम के लिए एक-एक गोल किया। सोन ने 13वें मिनट में जबकि केन ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में गोल दागे। आर्सेनल की पिछले सात लीग मैचों में यह पांचवीं हार है। अन्य मैचों में लिसेस्ट सिटी ने शेफील्ड युनाइटेड को दी 2-1 से मात दी। जेमी वेर्डी के 90वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की मदद से लिसेस्टर सिटी ने रविवार को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में शेफील्ड युनाइटेड को 2-1 से हरा दिया।लिसेस्टर सिटी के लिए अयोजे पेरेज ने 24वें मिनट में गोल करके उसे 1-0 की बढ़त दिला दी। लेकिन दो मिनट बाद ही ओली मैक्बर्नी ने गोल दागकर शेफील्ड युनाइटेड को 1-1 की बराबरी दिला दी। हाफ टाइम तक दोनों टीमों के बीच स्कोर 1-1 की बराबरी पर थी। दूसरे हाफ में भी यही स्कोर था, लेकिन 90वें मिनट में वेर्डी ने निर्णायक गोल दागते हुए लिसेस्टर सिटी को 2-1 की जीत दिला दी। इस जीत के बाद लिसेस्टर सिटी 11 मैचों में 21 अंकों के साथ तालिका में तीसरे नंबर पर है। शेफील्ड युनाइटेड 11 मैचों में एक ही अंक के साथ 20वें नंबर पर है। एक अन्य मैच में विल्फ्रेड जाहा और बेनटेक के दो-दो गोलों की मदद से क्रिस्टल पैलेस ने वेस्ट ब्रोम को 5-1 से हरा दिया। कोरोना पॉजिटिव रहने के कारण पहले दो मैचों में नहीं खेलने वाले जाहा ने 55वें और 68वें मिनट में दो गोल किए। उनके अलावा बेनटेक ने 59वें और 88वें मिनट में, जबकि वेस्ट ब्रोम के लिए गालेगर ने 30वें मिनट में गोल किया। इसके अलावा ब्रोम के कोस्टा परेरा को 34वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया। क्रिस्टल पैलेस की टीम ने टॉप लीग में घर से बाहर पहली बार पांच गोल किए हैं।

प्रीमियर लीग - लिवरपूल ने वोल्वस को 4-0 से हराया

लिवरपूल। दूसरे हाफ में किए गए तीन गोलों की मदद से मौजूदा चैमिपयन लिवरपूल ने वोल्वस को 4-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) की अंकतालिका में अपना दूसरा स्थान कायम रखा है। रविवार रात खेले गए यहां एनफिल्ड स्टेडियम में करीब 2000 दर्शकों की मौजूदगी में खेले गए इस मुकाबले में लिवरपूल के लिए मोहम्मद सालाह ने 24वें, जियोजिनियो विजनेलडम ने 58वें, जोएल माटिप ने 67वें और नेल्सन सेमेडो ने 78वें मिनट में आत्मघाती गोल किया। सालाह का सीजन में प्रीमियर लीग में यह नौवां गोल है। इस जीत के बाद लिवरपूल की टीम 11 मैचों में 24 अंकों के साथ तालिका में दूसरे नंबर पर है। उसके और पहले स्थान पर कायम टॉटेनहम हॉटस्पर के एक समान अंक है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे विलियम्सन

हेमिल्टन।

वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में 251 रनों की शानदार पारी खेलने वाले न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन को आईसीसी की ताजा टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो स्थान का फायदा हुआ है। वह विराट कोहली के साथ नंबर-2 स्थान पर आ गए हैं। विलियम्सन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए मैच में अपने टेस्ट करियर का सर्वोच्च स्कोर बनाया था।अपने हालिया प्रदर्शन से विलियम्सन को 74 अंक मिले और वह अब 812 अंकों से 866 अंकों तक पहुंच गए हैं। उनकी टीम के टॉम लाथम के 733 अंक हो गए हैं। वह 10वें स्थान पर हैं। आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 911 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के जर्मेन ब्लैकवुड ने भी सेडन पार्क मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच में शतक जमाया था। यह उनके करियर का दूसरा टेस्ट शतक था। वह 17 स्थान आगे बढ़ते हुए 41वें स्थान पर आ गए हैं। गेंदबाजों की सूची में न्यूजीलैंड के नील वेग्नर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ हेमिल्टन टेस्ट में कुल छह विकेट झटके थे। टिम साउदी 817 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर को दो स्थान का नुकसान हुआ है। वह पांचवें स्थान से सातवें स्थान पर आ गए हैं। होल्डर हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में भी पिछड़ गए हैं। वह पहले स्थान से खिसककर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स ने पहले स्थान पर कब्जा जमा लिया है।

आईएसएल-7 : बेंगलुरु, नॉर्थईस्ट का लक्ष्य अजेय क्रम जारी रखने पर

फातोर्दा (गोवा)।

बेंगलुरु एफसी और नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी मंगलवार को जब फातोर्दा के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में एक-दूसरे का सामना करेगी, तो दोनों टीमों की कोशिश हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में अपने अजेयक्रम अभियान को जारी रखने की होगी। दोनों टीमें अपना पिछला मैच जीत चुकी है और इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। बेंगलुरु ने चेन्नइयन एफसी को हराकर सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की है जबकि नॉर्थईस्ट ने लगातार दो ड्रॉ खेलने के बाद अपने पिछले मैच में ईस्ट बंगाल को मात दी है।मैच में बेंगलुरु के डिफेंस और नॉर्थईस्ट के अटैकिंग के बीच जबर्दस्त मुकाबला देखने को मिलेगा। बेंगलुरु ने अब तक एक भी गोल ओपन प्ले से नहीं किया है जबकि हाईलैंडर्स ने अब तक जितने भी मैच खेले हैं, सबमें गोल किया है।बेंगलुरु के कोच कार्लेस कुआड्रॉर्ट इस बात से अवगत हैं कि उनकी टीम के लिए यह एक कड़ा मुकाबला है। लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि उन्हें अपनी टीम की क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। कुआड्रॉर्ट ने कहा, यह एक बहुत ही रणनीतिक मैच होने जा रहा है क्योंकि वे एक बहुत अच्छी तरह से संगठित टीम हैं। तीन मैचों में, हमारे पास दो क्लीन शीट हैं। मुझे लगता है कि हम डिफेंस में बहुत अधिक निरंतरता दिखा रहे हैं। हम एक संगठित टीम की तरह दिखते हैं। उन्होंने कहा, बेंगलुरु के कोच के रहते मेरे समय में, हम केवल एक ही बार चेन्नइयन के खिलाफ हारे हैं। हम गोवा के खिलाफ कभी नहीं हारे हैं। मेरा मतलब है कि यह साफ है कि हम एक स्पष्ट योजना के साथ बहुत ही सुसंगत टीम हैं। हमारे खिलाफ खेलना बहुत मुश्किल है। साथ ही, हम यह भी जानते हैं कि हमें कहां सुधार करना है और हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं। नॉर्थईस्ट के कोच गेरार्ड नुस भी अपनी टीम की ताकत के साथ खेलने की योजना बना रहे हैं। नुस ने कहा, ऐसी चीजें हैं जो हमारी शैली के लिए प्रमुख हैं कि हम नहीं बदलेंगे क्योंकि हम उन पर विश्वास करते हैं। यहां एक ऐसी चीजें हैं जिन्हें हमें विरोधियों के बारे में ध्यान रखना होगा। जाहिर है कि यह एक मिश्रण है। नॉर्थईस्ट लीग चरण में अपने प्रतिद्वंद्वी से कभी नहीं हारी है और हालिया फॉर्म को देखते हुए नुस के लिए यह एक अच्छा मौका है कि वे रिकॉर्ड को जारी रखें। लेकिन इसके बावजूद नुस अपने प्रतिद्वंद्वी को कम करके नहीं आंक रहे हैं।

नुस ने कहा, सच्चाई यह है कि बेंगलुरु दो साल पहले खिताब जीत चुकी है और पिछले सीजन में वह प्लेऑफ तक पहुंची थी। ये चीजें बताता है कि वे कितने अच्छे हैं। वे एक बड़ी टीम है।

भारतीय टीम अब दबाव में नहीं बिखरती : ललित

नई दिल्ली। फॉरवर्ड खिलाड़ी ललित उपाध्याय ने कहा है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हालिया दौर में अपने प्रदर्शन मे सुधार किया है, खासकर तब जब टीम दबाव में रहती है, तब वह हिम्मत नहीं हारती। ललित ने कहा, अगर मैं पीछ मुड़कर देखूं तो 2014 में हम जिस तरह से खेले थे और अब हम जिस तरह से खेल रहे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि हमने लंबा सफर तय किया है और काफी मजबूती से आगे बढ़े हैं। अब हम दबाव की स्थिति में बिखरते नहीं हैं। अब हमने सीख लिया है कि वापसी कैसे की जाती है।उन्होंने कहा, हमारा प्रदर्शन खासकर बीते दो साल में शानदार रहा है। हमने बेल्जियम, नीदरलैंड्स और आस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के सामने अच्छा किया है।कोविड-19 के बीच चार महीने राष्ट्रीय शिविर में बिताने के बाद ललित ने कहा है कि कोर ग्रुप ने अपनी फिटनेस में अच्छा सुधार किया है। उन्होंने कहा, बायो सिक्योर वातावरण में रहने के कारण, हमें कैम्पस के बाहर जाने की इजाजत नहीं है। चार महीने काफी चुनौतीपूर्ण रहे हैं। मुझे लगता है कि इस लंबे शिविर में हमने अच्छी फिटनेस हासिल की है। हमने मैच फिटनेस भी हासिल की है। साथ में तेजी भी। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि हम एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में अपने खिताब बचाने से पहले कुछ जरूरी अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्दियां बनाएं रोमांटिक

सर्दियों के मौसम को प्यार का मौसम माना जाता है। भारत में गर्मियों के मुकाबले सर्दियों में लगभग 17 प्रतिशत शादियां ज्यादा होती हैं और एक वेब साइट के सर्वे की मानें तो इश्क भी इन्हीं दिनों सबसे ज्यादा परवान चढ़ता है। इस मौसम में अपने पति के साथ कुछ खास पल बिताइए और हो जाइए तरोताजा।

सुबह की चाय- सर्दियों के मौसम में सुबह जब पत्नी घर का काम करने के लिए उठे, तो पति को उसका साथ देना चाहिए। खुली बालकनी या हल्की रोशनी में बैठ कर सुबह चाय या कॉफी साथ पिएं। अपने घर की खिड़की से कोहरे की चादर को सिमटते देखें।

घूमने का वक्त निकालें- शनिवार या रविवार, किसी एक दिन, सूरज उगते समय दोनों साथ में वॉकिंग के लिए जाएं। आप बच्चों की साइकिल लेकर पार्क में एकाध राउंड लगा सकते हैं। फिर घर लौटने के बाद मिल कर कुछ अच्छा सा नाश्ता बनाएं। साथ बैठ कर खाएं। एक अध्ययन के अनुसार पति-पत्नी जितना वक्त साथ बिताएंगे, साथ काम करेंगे, एक-दूसरे को समझने की समझ बढ़ेगी। छोटी-मोटी बातें बड़ी नहीं लगेंगी, मामूली बातों पर झगड़ा करने की नौबत भी नहीं आएगी।

सरप्राइज दें- अगर आपकी पत्नी को सर्दियों में कुल्फी खाना पसंद है, तो उनकी यह हसरत जरूर पूरी करें। सर्दियों का बहाना बना कर बाहर जाने से ना बचें। अगर पति पुराने दिनों की याद ताजा करते हुए आपको साइकिल पर बिठा कर चाट खिलाने ले जाना चाहते हैं, तो हंस कर टालें नहीं।

स्वस्थ रहें साथ रहें- लगभग दुनिया के हर कोने में इन दिनों ठंड पड़ती है। अमरीकी दंपत्ति नए साल की छुट्टियों का जश्न लगभग पूरे महीने ही मनाते हैं। कनाडा में पति-पत्नी एक-दूसरे को तोहफे देते हैं। पिछले कुछ सालों से तोहफे में हेल्थ से संबंधित खाने-पीने की चीजों को देने का चलन बढ़ गया है।साथ रहने और खुश रहने के लिए स्वस्थ रहना जरूरी है और सर्दियां व्यायाम, स्पा और हेल्थ ट्रीटमेंट के मुफीद हैं। चाहे आप जो करें, एक-दूसरे के साथ करें, इससे आप एक-दूसरे के नजदीक आएंगे।

होम रेमेडीज से दूर करें ब्लैक हैड्स

आजकल युवाओं में दूसरों से बेहतर दिखने की होड़ लगी रहती है। जिसके लिए वह कई तरह है सौंदर्य प्रसाधन का उपयोग करते हैं। जा ना सिर्फ उनके चेहरे को खराब कर देता है बल्कि कई प्रकार के दाग धब्बे भी दे देता है। जिसमें सबसे खास है ब्लैक हैड्स। ब्लैकहैडस की समस्या आम है पर इस समस्या को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। अगर हम केयरलैस बने रहेंगे तो यह समस्या बढ़ जाएगी, फिर उस पर काबू पाना मुश्किल होगा। अगर आप भी परेशान हैं ब्लैकहैडस की समस्या से तो ध्यान दें कुछ घरेलू उपचारों पर-

टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें

थोड़ा टूथपेस्ट टूथब्रश पर लेकर ब्लैकहैडस पर लगाएं। कुछ मिनटों के बाद टूथपेस्ट लगे स्थान को हल्के हाथों से रगड़ें। ध्यान रखें टूथपेस्ट आंखों के आसपास न पहुंचे नहीं तो आंखों में जलन हो सकती है। जो भी टूथब्रश प्रयोग में लाएं, उसे पहले गर्म पानी से साफ कर लें फिर टूथपेस्ट लगाएं।

नींबू का रस मिलाकर लगाएं

नींबू के रस में बादाम तेल और ग्लिसरीन की बराबर मात्रा मिलाकर मिक्स कर लें। इस लोशन को चेहरे पर लगाएं पर ब्लैकहैडस पर लोशन को ज्यादा लगाएं। इस लोशन के प्रयोग से ब्लैकहैडस भी दूर रहेंगे और त्वचा के अन्य दाग-धब्बे भी साफ हो जाएंगे।

अकेलापन और दोस्तों की जरूरत

आज के इस आधुनिक परिवेश में लोग नौकरी के पीछे भाग रहें हैं। ताकि उनका परिवार खुशी-खुशी गुजर-बसर कर सके। इस बीच वह अपने खास पति-पत्नी के रिश्ते को भी काफी दूर छोड़ देते हैं। जबकि समाज में पति-पत्नी हमेशा एक साथ ही रहते हैं। पति के दूर जाने के कई कारण हो सकते हैं। लेकिन कारण कोई भी हो, उम्र का कोई भी पड़ाव हो, पत्नी को अकेलेपन का कहर सहना पड़ता है। ऐसे में उसे दूसरों की जरूरत महसूस होती है। ऐसे में क्या करें जो कुछ समय का यह दुःख सुख में तबदील हो जाए...

दूसरों पर निर्भर न रहें

अभी आपको अकेले जीवनयापन करने का अवसर मिल रहा है। आप अपनी तथा बच्चों की सुरक्षा खुद करें। समय पर घर के दरवाजे बन्द करें। रात को किसी गैर के लिए दरवाजा न खोलें। आस-पास हो रही हर बात की जानकारी रखें। खबरें जरूर सुनें। किसी को यह जाहिर न होने दें कि घर में आपके पति नहीं हैं। बच्चों को डर लगे तो खुद अपना डर जाहिर न होने दें ताकि वे घबराएं नहीं।

पति के साथ निरंतर संपर्क रखें

पति के साथ लगातार संपर्क में रहें। उन्हें फोन करें, खत भेजें, एस.एम.एस. करें, चैटिंग करें इत्यादि। उन्हें यह महसूस न होने दें कि वह घर से दूर हैं या आप उनके करीब नहीं। वह आपको सही रास्ता बता सकते हैं कि आप मुश्किल समय में क्या करें और किसकी मदद लें।

बच्चों के साथ समय बिताएं

आपको चाहिए कि आप बच्चों को पिता की कमी न खलने दें। उनकी सारी जरूरतें पूरी करें। उन्हें मां तथा बाप दोनों बन कर दिखाएं। उन्हें पढ़ाएं और उनको भी व्यस्त रखें।

खुद को व्यस्त कर लें

खुद को व्यस्त करने के लिए अपने अन्दर के गुणों को जगाएं। अगर आपको गाने का शौक है तो पति के आने से पहले खूब से गाने याद करके रखें, अचार-चटनियां बनाएं, पेंटिंग करें, कविता लिखें आदि।

पड़ोसियों से मेल-जोल बढ़ाएं

पड़ोसियों तथा रिश्तेदारों से अच्छे संबंध बना कर रखें। कब किसी की जरूरत पड़ जाए, क्या मालूम। छोटी-छोटी बात के लिए ईगो न दिखाएं। आपके पति की गैर-मौजूदगी में यही लोग आपके काम आएंगे। आप एक बहादुर, समझदार तथा जिम्मेदार महिला बनकर दिखाएं। इससे आप अपने पति की नजरों में ही नहीं बल्कि बच्चों की नजरों में भी उठेंगी।

डायरी लिखें

रोज अपने अनुभवों को डायरी में लिखें। हो सकता है आपकी बहुत सी मुश्किलों का हल आपको अपने अन्दर से मिलने लगे।

पारंपरिक लुक के लिए साड़ी है बेहतर

भारतीय संस्कृती में महिलाओं के साज–सज्जा के लिए साड़ी का खासा महत्व माना जाता है। कोई भी त्योहार हो शादी–शुदा महिलाएं आकर्षक साड़ियां पहनती हैं और जब महिला का घूंघट की ओट से अपने 'चांद' का दीदार किया जाता है तो वह ग्लैमरस ही नहीं बल्कि रोमांटिक भी हो जाता है। ऐसे में बाजार में आज लहंगा–चोली, लेटैस्ट डिजाइन के इम्ब्रायडरी वाले सूट या साड़ी उपलब्ध हैं। जो अपनी चोली या हैवी आंचल के

ब्लाऊज एवं चोली

डिजाइनर साडियों एवं लहंगे साथ इनकी चोलियों की डिजाइनिग पर भी खास तवज्जो दी जाती है। चोलियों की स्लीव्ज, बैक, फ्रंट, नैक सभी की डिटेलिग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। लहंगे के साथ आप कॉर्सेट और हॉल्टर टॉप भी पहन सकती हैं। कुछ समय पहले तक जहां स्लीव्स को केप स्लीव्स रखा जाता था, वहीं अब इन्हें शॉर्ट, थ्री-क्वार्टर से लेकर लांग तक रखा जा रहा है।

अनारकली कुर्ते

अनारकली सूट में महिलाओं का व्यक्तित्व अलग ही उभर कर आता है। आप इसे ट्रैडीशनल और ट्रैंडी का मिक्स एंड मैच भी कह सकती हैं। इस तरह के कुर्ते की लम्बाई ज्यादा होती है, साथ ही ये काफी घेरावदार भी होते हैं। इन पर जरदोजी और धागे से की गई कढ़ाई काफी अच्छी लगती है। आजकल तो इन पर पैच वर्क भी काफी पसंद किया जा रहा है। इस अवसर पर इन्हें दुपट्टे के साथ कैरी करें। अनारकली सूट पतली ही नहीं बल्कि भरी-भरी महिलाओं पर भी फबते हैं।

फैब्रिक

लहंगों के फैब्रिक की बात करें तो उसमें भी विकल्प केवल सिल्क तक सीमित नहीं रहे बल्कि नैट, वैल्वेट भी महिलाओं की पसंदीदा सूची में शामिल हैं। ब्लॉक प्रिंट, इंब्रायडरी आदि के साथ विभिन्न फैब्रिक्स और डिजाइंस के साथ मिक्स एंड मैच किए लहंगे भी युवतियों को पसंद आ रहे हैं। करवा चौथ पर टिशू, शिफॉन, क्रेप्स, जॉर्जेट आदि में पोशाक चुनें जिसमें आप शिमरिग मैटीरियल्स जैसे गोल्ड या सिल्वर टिशू इत्यादि की डिजाइनिग भी करवा सकती हैं।

लहंगा

इन दिनों अम्ब्रेला कट घाघरा व चोली बिल्कुल चलन में नहीं हैं उनकी जगह ले ली है स्लिम लांग स्कर्ट्स ने तथा ड्रेपिग भी चलन में है। ए-लाइन लहंगे हमेशा फैशन में रहते हैं और हर फिगर को कॉप्लीमैंट करते हैं। यदि आपका फिगर आकर्षक है तो फिर कट या स्ट्रेट कट लहंगे पहनें। ये आपको ट्रैडीशनल के साथ-साथ मॉडर्न लुक भी देंगे। ब्रोकेड, जॉर्जेट, रॉ-सिल्क और क्रेप सभी में डिजाइनर लहंगे बाजार में उपलब्ध हैं।

साड़ी

सुनने में भले साडियां आऊटडेटिड और बहुत इंडियन ड्रैस लगती हों परंतु इसे सही ढंग से पहना जाए तो यह बेहद मॉडर्न और सैक्सी लुक देती हैं। इन दिनों नैट साड़ी और लहंगा साड़ी भी चलन में हैं। यदि साड़ी बांधनी नहीं आती और नया स्टाइल भी चाहिए तो स्टिच्ड साड़ी एक अच्छा विकल्प है।

सदाबहार रेशमी साड़ी : त्यौहार एवं शादियों पर पहनी गई रेशमी साडियां एलीगैंट लुक देती हैं। इस अवसर पर हैवी सिल्क, पैच वर्क, लहंगा साड़ी, कोलकाता वर्क एवं कांजीवरम सिल्क की साडियां वाइब्रैंट शेड्स में पहनें।

नैट की साड़ी : यह एक नया ट्रैंड बन चुकी है। ये प्लेन की अपेक्षा बॉर्डर अथवा इम्ब्रायडरी वर्क में अच्छी लगती हैं तथा इनके साथ आप वैस्टर्न स्टाइल ब्लाऊज भी पहन सकती हैं। ये छरहरी युवतियों पर तो जंचती ही हैं, भारी शरीर की महिलाओं को भी स्लिम लुक देती हैं। इन्हें आप इस तरह लहंगे में भी पहन सकती हैं जिसके पल्लू की टॉप पर किया गया पैच वर्क न केवल इन्हें सैट रखता है बल्कि एक बड़े ब्रोच की लुक भी देता है। इन्हें सामान्य स्टाइल में ही पहन रही हैं तो पल्लू को लहराता हुआ छोड़ सकती हैं तथा पिनअप भी कर सकती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान में कोरोना के 3,795 नये मरीज, संक्रमण दर 9.71 फीसद पर पहुंची

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 3,795 नये मरीज सामने आने से संक्रमितों की संख्या 420,294 हो गयी तथा संक्रमण दर बढ़कर 9.71 फीसद हो गयी है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाएं मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को कोविड-19 के कारण देश में 37 और मरीजों की मौत हो गयी जिसके बाद पाकिस्तान में इस बीमारी से अबतक 8,398 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि कुल 2,539 मरीज गंभीर स्थिति में हैं। सरकार के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 39,076 परीक्षण होने के बाद महामारी के मामले बढ़कर 420,294 हो गये। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर शुरू होने पर 25 नवंबर को संक्रमण दर 8.53 फीसद दर्ज की गयी थी। मंत्रालय ने बतायाा कि देश में अबतक कोविड-19 के 356,542 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और फिलहाल 55,354 रोगी उपाचाररत हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जाहिद हाफिज चौधरी ने बताया कि पाकिस्तान इस महामारी की दूसरी लहर से संघर्ष कर रहा है और उसे रूस ने कोविड-19 का टीका देने की पेशकश की है।

लंदन में कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन, कई गिरफ्तार और सुरक्षा बढ़ाई गई

लंदन। ब्रिटेन के मध्य लंदन में रविवार को भारतीय उच्चायोग के बाहर भारत में तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में किए गए प्रदर्शन के दौरान स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया। स्कॉटलैंड यार्ड ने भारतीय उच्चायोग के बाहर ब्रिटेन के अलग-अलग हिस्सों से प्रदर्शनकारियों के जमा होने से पहले चेतावनी दी थी। मध्य लंदन में 'हम पंजाब के किसानों के साथ खड़े हैं प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए कई पुलिसकर्मी सड़क पर उतरे और चेताया कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कड़े नियम लागू हैं और अगर 30 से ज्यादा लोग जमा होते हैं तो गिरफ्तारी की जा सकती है और जुर्माना लगाया जा सकता है। मेट्रोपोलिटन पुलिस के कमांडर पॉल ब्रोगडेन ने कहा, अगर आप निर्धारित 30 लोगों से अधिक की संख्या में एकत्र होकर नियम तोड़ते हैं तो आप अपराध कर रहे हैं जो दंडनीय है और जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने लोगों से प्रदर्शन में शामिल नहीं होने की अपील भी की। प्रदर्शन में मुख्य रूप से ब्रिटिश सिख शामिल थे जो तख्तियां पकड़े हुए थे, जिनपर 'किसानों के लिए न्याय जैसे संदेश लिखे थे। भारतीय उच्चायोग के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह जल्द स्पष्ट हो गया कि लोगों के जमवाड़े की अगुवाई भारत विरोधी अलगाववादी कर रहे थे जिन्होंने भारत में किसानों के प्रदर्शन का समर्थन करने के नाम पर भारत विरोधी अपना एजेंडा चलाया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन भारत का आंतरिक मामला है और भारत सरकार प्रदर्शनकारियों से बात कर रही है।

कोरोना वायरस टीके को बड़े स्तर पर बाजार में उतारने की तैयारी कर रहा चीन

ताइपे। चीन में प्रांतीय सरकारों ने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए प्रायोगिक एवं स्वदेशी टीकों के 'ऑर्डर' देने शुरू कर दिए हैं, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि ये टीके कितने कारगर हैं या इन्हें देश के 14 अरब लोगों तक कैसे पहुंचाया जाएगा। चीन के विदेश मंत्री ने पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में कहा था कि टीका बनाने वाले उनके अंतिम परीक्षण को पूरा करने का काम तेजी से कर रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार उप-प्रधानमंत्री सुन चुनलान ने कहा, ''हमें बड़े स्तर पर उत्पादन के लिए तैयार रहना चाहिए।'' स्वास्थ्य अधिकारियों ने पहले कहा था कि चीन इस साल के अंत तक 61 करोड़ खुराकों का निर्माण कर लेगा और इसे अगले साल तक बढ़ाकर एक अरब किया जा सकता है।

बाइडन ने कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल जेवियर बेसेरा को स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर चुना

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल जेवियर बेसेरा को स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर चुना है। बेसेरा किफायती स्वास्थ्य देखभाल संबंधी कानून के समर्थक रहे हैं और अब वह बाइडन प्रशासन में कोरोना वायरस के खिलाफ देश की मुहिम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद बेसेरा (62) ऐसे पहले लातिन अमेरिकी होंगे जो स्वास्थ्य एवं मानवीय सेवा विभाग का नेतृत्व करेंगे। इस विभाग का बजट एक हजार अरब डॉलर से अधिक है और इसमें 80,000 कर्मचारी हैं। यह विभाग 13 करोड़ से ज्यादा अमेरिकी नागरिकों के लिए दवा एवं टीका, आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान, स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रमों के लिए काम करता है। ट्रंप प्रशासन ने हाल में ''ओबामा केयर'' को खत्म करने का प्रयास किया, लेकिन कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के तौर पर बेसेरा ने इसका बचाव किया। अब यह मामला अमेरिका के उच्चतम न्यायालय में है जिस पर अगले साल फैसला आने की संभावना है। पूर्व डेमोक्रेट सांसद बेसेरा ने 2009-2010 के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के स्वास्थ्य कानून को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

लद्दाख में चीन की चालाकी का असर? कारोबार में भारत ने ड्रैगन को दिया झटका, ज्यादा एक्सपोर्ट कर कम किया इम्पोर्ट

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन से सीमा विवाद शुरू होने के बाद से भारत लगातार उसे झटके पर झटके दे रहा है। कुछ ही महीनों के भीतर कई चाइनीज कंपनियों को मोबाइल ऐप्स ब्लॉक करने के बाद भारत ने पड़ोसी देश को एक और झटका दिया है। दरअसल, भारत ने चीन से पिछले कुछ महीनों के अंदर काफी कम इम्पोर्ट किया है, जबकि उसका चीन को एक्सपोर्ट बढ़ा है। चीन के हालिया डेटा के अनुसार, भारत द्वारा चीन को साल 2020 के पहले 11 महीनों में किया गया एक्सपोर्ट 16 फीसदी बढ़ा है। इस डेटा में खास बात यह है कि सालभर दोनों देशों के बीच कोरोना वायरस और सीमा विवाद की वजह से कई बार आमना-सामना भी देखा गया है। चीनी मीडिया द्वारा दिखाए गए डेटा के अनुसार, इसी समयसीमा में भारत ने चीन से 13 फीसदी कम इम्पोर्ट किया है।

डेटा को दिखाते हुए चीनी मीडिया ने एक झूठा और मनगढ़ंत दावा किया है। पड़ोसी देश की मीडिया का कहना है कि चीन ने पूर्वी लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के गतिरोध वाले मामले का राजनीतिकरण नहीं किया, जबकि नई दिल्ली ने चीन द्वारा किए जाने वाले एक्सपोर्ट पर अंकुश लगाया।

वहीं, चीनी सरकार के भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने हालिया रिपोर्ट में कहा है कि महामारी के चलते भारत में डिमांड में कमी आई है, जिसकी वजह से चीन का भारत को एक्सपोर्ट काफी कम हुआ है। लेख में कहा गया, 'सोमवार को जारी किए गए सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, चीन ने जनवरी से नवंबर तक भारत में लगभग 59 बिलियन डॉलर के उत्पादों का एक्सपोर्ट किया, जो 13त्न से कम है। इस साल पहले 10 महीनों में 16.2त्न की गिरावट के मुकाबले यह गिरावट थोड़ी कम हुई है।'

विशेषज्ञों के हवाले से लेख में कहा गया है, ÷हालांकि, इस अवधि में भारत से चीन के इम्पोर्ट में 16त्न की वृद्धि हुई है, जिसमें दिखाया गया है कि चीन ने पड़ोसी देश के साथ आर्थिक संबंधों का राजनीतिकरण करने से परहेज किया है।÷ उन्होंने आगे कहा कि यह चीन के प्रति भारत सरकार के बढ़ते 'पक्षपातपूर्ण रवैये' के कारण भी है। तुलनात्मक रूप से, चीन भारत में राजनीतिक आडंबरों के बावजूद अधिक इम्पोर्ट करना जारी रख रहा है। भारत से चीन का आयात पहले 11 महीनों में लगभग 19 बिलियन डॉलर मूल्य का था, जिसमें 16 फीसदी की बढ़ोतरी है।'

बीजिंग में भारतीय दूतावास द्वारा इकट्ठे किए आंकड़ों के अनुसार, 2019 में भारत चीनी कार्बनिक रसायन, उर्वरक, एंटीबायोटिक्स और एल्यूमीनियम फॉइल के लिए सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन था। साल 2019 में भारत चीन के लिए 12वां सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर देश था। चीन सबसे ज्यादा ट्रेड अमेरिका, जापान, हॉन्ग-कॉन्ग, साउथ कोरिया, ताइवान, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, मलेशिया, ब्राजील और रूस के साथ करता है।

वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने के लिए डब्ल्यूएचओ कर रहा सीईओ नियुक्त

पेरिस। (एजेंसी)।

अपनी वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने के मकसद से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) अपने एक फाउंडेशन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति कर रहा है। डब्ल्यूएचओ का प्रयास फाउंडेशन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति कर निजी चंदा जुटाने का है ताकि अगर कोई देश अपने योगदान में कटौती करता है तो उसे आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़े। हाल ही अमेरिका ने निकाय को दी जा रही राशि में कटौती कर दी थी। बहुराष्ट्रीय फार्मा कंपनी वियाट्रिस के साथ आठ साल रहने के बाद अनिल सोनी अगले साल जनवरी में नए डब्ल्यूएचओ फाउंडेशन से जुड़ेंगे। इस साल वैश्विक कोरोना वायरस महामारी और निकाय से अमेरिका के बाहर हो जाने के बाद डब्ल्यूएचओ की वित्तीय स्थिति की संवेदनशीलता उजागर हो गयी है।

निकाय बहुत हद तक सदस्य देशों के स्वैच्छिक योगदान के साथ-साथ कुछ बड़े फाउंडेशनों पर निर्भर रहता है। सोनी ने डब्ल्यूएचओ फाउंडेशन की घोषणा से पहले एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि उनकी प्राथमिकता कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत चंदा जुटाना है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन अंततः 'कोविड-19 सॉलिडरिटी रिस्पॉन्स फंड' का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेगा। इस कोष ने अब तक 23.8 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। सोनी 'बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन' के वरिष्ठ सलाहकार भी रहे हैं। इस साल डब्ल्यूएचओ के बजट में जर्मनी के बाद दूसरा सबसे ज्यादा योगदान इसी फाउंडेशन ने दिया है।

नए स्मार्टफोन-आधारित कोविड टेस्ट 30 मिनट से भी कम समय में देगा कोरोना रिजल्ट!

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

वैज्ञानिकों ने सीआरआईएसपीआर आधारित कोविड-19 जांच के लिए एक नई तकनीक विकसित की है, जिसमें स्मार्टफोन कैमरा का इस्तेमाल करते 30 मिनट से कम समय में सही परिणाम प्राप्त हो जाता है। पत्रिका 'सेल' में प्रकाशित शोध के मुताबिक नई जांच से न केवल पॉजिटिव या निगेटिव परिणाम हासिल किया जा सकता है बल्कि इसमें वायरल लोड (यानी वायरस के संकेद्रण) की भी जांच की जाती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि सभी सीआरआईएसपीआर जांच में वायरल आरएनए को डीएनए में बदलनेकी जरूरत होती है और इसका पता लगाने से पहले इसे प्रवर्धित करना होता है, जिसमें ज्यादा समय लगता है और यह जटिल होता है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत नये तरीके में इन सभी कदमों को छोड़कर सीआरआईएसपीआर का इस्तेमाल कर सीधे वायरल आरएनए का पता लगाया जाता है।

अमेरिका के ग्लैडस्टोन इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ शोधकर्ता जेनिफर डाउडना ने कहा, ''हम सीआरआईएसपीआर आधारित जांच को लेकर इसलिए उत्साहित हैं कि यह जरूरत के समय जल्द एवं सही परिणाम देता है।'' डाउडना ने कहा, ''यह विशेष रूप से उन स्थानों पर ज्यादा उपयोगी हैं जहां जांच की सीमित पहुंच हो या जब बार-बार तेजी से जांच की जरूरत पड़े। यह कोविड-19 को लेकर आ रही कई बाधाओं को दूर कर सकता है।'' डाउडना को सीआरआईएसपीआर-सीएएस जीनोम एडिटिंग अन्वेषण के लिए 2020 में रसायनशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला। शोधकर्ताओं ने पाया कि उपकरण ने पांच मिनट के अंदर पॉजिटिव नमूनों का सही-सही पता लगा लिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के वकील रूडी गिलियानी कोरोना संक्रमित, बिना मास्क के रहे 7 घंटे

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

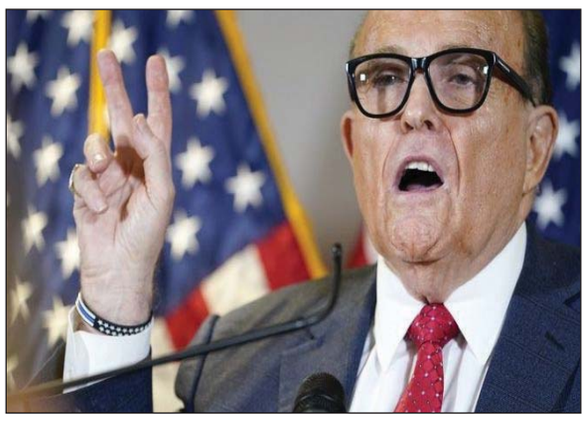

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया है कि उनके वकील रूडी गिलियानी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। अमेरिका में पिछले कुछ दिनों से कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और ट्रंप के कई करीबी शीर्ष अधिकारी भी संक्रमित हो चुके हैं। ट्रंप ने बताया कि न्यूयार्क के पूर्व मेयर गिलियानी (76) कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए। राष्ट्रपति चुनाव परिणामों को चुनौती देने के ट्रंप के प्रयासों की खातिर गिलियानी ने हाल में कई राज्यों की यात्राएं की थीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को ट्वीट कर गिलियानी के संक्रमित होने की पुष्टि की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। गिलियानी ने रविवार सुबह 'फॉक्स न्यूज' के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था, जिसमें ट्रंप की ओर से कई राज्यों में दी गई कानूनी चुनौतियों पर उन्होंने चर्चा की थी।

गिलियानी ने बृहस्पतिवार को जॉर्जिया में एक सुनवाई में हिस्सा लिया था, इस दौरान वह कई घंटे तक बिना मास्क के रहे। कई राज्यों के रिपब्लिकन सीनेटर भी बिना मास्क के नजर आए। गिलियानी बुधवार की रात मिशिगन गए थे, जहां उन्होंने विधायिका की सुनवाई में गवाही दी थी। उस दौरान गिलियानी और उनके बगल में बैठी वकील जेना एलिस ने भी मास्क नहीं पहना था। जॉर्जिया के डेमोक्रेट सीनेटर जेन जोर्डन ने बृहस्पतिवार को सुनवाई में हिस्सा लिया था और उन्होंने गिलियानी के मास्क नहीं पहनने पर रोष प्रकट किया। जोर्डन ने ट्वीट कर कहा, ''मुझे पता नहीं था कि पिछले हफ्ते मैंने जिस खतरे का सामना किया वह ट्रंप के वकील की ओर से था। गिलियानी खचाखच भरे कमरे में सुनवाई के दौरान सात घंटे तक मास्क के बगैर रहे।

दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्री ने कोरोना को बताया एक युद्ध क्षेत्र, देश में संक्रमण के आए 615 नए मामले सामने

सियोल। (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से फैलने के बीच देश के स्वास्थ्य मंत्री ने सोमवार को कहा कि सियोल मेट्रोपोलिटन क्षेत्र अब 'कोविड-19 युद्ध क्षेत्र' है। देश में संक्रमण के 615 नए मामले सामने आए हैं और यहां पिछले 10 दिन में 5,300 से भी अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। संक्रमण के अधिकतर नए मामले सियोल मेट्रोपोलिटन क्षेत्र में सामने आए हैं, जहां स्वास्थ्य कर्मी रेस्तरां, स्कूलों, अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों समेत विभिन्न स्थानों में संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्री पार्क नेयुअंग हू ने कोरोना वायरस से निपटने को लेकर हुई एक बैठक में कहा, ''राजधानी क्षेत्र अब कोविड-19 युद्ध क्षेत्र बन चुका है।'' उन्होंने कहा कि देश को संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सामाजिक दूरी को और बढ़ाना पड़ सकता है। हालांकि दक्षिण कोरिया दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में बसंत में संक्रमण को काबू करने में सफल रहा था,लेकिन घनी आबादी वाले राजधानी क्षेत्र में इसे काबू करना आसान नहीं हागा। देश के राष्ट्रपति मून जेई इन की सरकार वायरस के खिलाफ पहले मिली सफलता का प्रचार करने के लिए आतुर रही है, लेकिन सामाजिक दूरी के प्रतिबंधों को ढील देने में जल्दबाजी करने को लेकर अब उसकी आलोचना हो रही है। इस बीच, चीन में सोमवार को संक्रमण के 15 नए मामले सामने आए, जिनमें से 12लोग विदेश से आए हैं।

चीन में इस समय 281 लोगों का संक्रमण के कारण इलाज चल रहा है, जबकि 231 उन लोगों के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है, जो संक्रमित हैं, लेकिन उनमें बीमारी के लक्षण नहीं है। चीन बिना लक्षण वाले संक्रमण के मामलों को संक्रमित लोगों की संख्या में शामिल नहीं करता है। हांगकांग में रविवार को संक्रमण के 95 नए मामले सामने आए।

अपने इस ट्वीट के कारण रिपब्लिकन पार्टी के विरोध का सामना कर रही भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के अगले राष्ट्रपति के तौर पर निर्वाचित जो बाइडन द्वारा प्रबंधन एवं बजट कार्यालय (ओएमबी) के निदेशक पद पर नामित भारतीय मूल की नीरा टंडन को रिपब्लिकन पार्टी और वामपंथ की ओर झुकाव रखने वाले कुछ डेमोक्रेटिक नेताओं के खिलाफ ''आक्रामक एव विवादित'' ट्वीट के कारण विरोध का सामना करना पड़ रहा है। रिपब्लिकन पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने टंडन को नामित किए जाने का सार्वजनिक रूप से विरोध किया है। इस बीच, कुछ सुधारवादी डेमोक्रेट का मानना है कि टंडन का नामांकन इस बात की परीक्षा होगा कि वामपंथी बाइडन के इस चयन को चुनौती देंगे या नहीं। दरअसल, राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार रह चुकीं हिलेरी क्लिंटन की निकट सहयोगी रहीं टंडन ने अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री के डेमोक्रेटिक आलोचकों के खिलाफ आक्रामक टिप्पणियां की थीं। वामपंथी सीनेटर बर्नी सैंडर्स के लिए भाषण लिखने का काम कर चुके डेविड सिरोटा ने कहा कि यदि टंडन(वामपंथियों की) चुनौती के बिना ओएमबी के लिए चुन ली जाती हैं, तो इसका अर्थ यह होगा, कि सुधारवादी बाइडन को चुनौती ही नहीं देना चाहते। सैंडर्स ने टंडन को नामित किए जाने के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन एलिजाबेथ वारेन और शेरोड ब्राउन जैसे उदारवादी सीनेटरों ने अपना समर्थन जताया है।

दूसरी ओर, रिपब्लिकन सीनेटर, सीनेट के कई सदस्यों के खिलाफ नीराकी पुरानी 'आक्रामक एवं अपमानजनक' टिप्पणियों से नाराज हैं। उल्लेखनीय है कि 50 वर्षीय टंडन की नियुक्ति को अगर सीनेट की मंजूरी मिल जाती है तो अमेरिका के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय का नेतृत्व करने वाली पहली अश्वेत एवं भारतीय मूल की महिला होंगी। ओएमबी की जिम्मेदारी अमेरिकी राष्ट्रपति के विचारों को कार्यपालिका की सभी शाखाओं में लागू कराने एवं देखरेख की होती है। यह खासतौर पर राष्ट्रपति की नीतिगत बैठकों, बजट, प्रबंधन, नियामक उद्देश्य और एजेंसियों की स्थायी जिम्मेदारी को पूरा करने में मदद करता है। टंडन का करियर पेशेवर परिवारों को आर्थिक विकास के आधार पर मदद करने और असमानता को दूर करने की नीतियों को बनाने पर केंद्रित रहा है। प्रभावशाली सीनेटर और सीनेट इंडिया कॉकस के सह अध्यक्ष जॉन कार्निन ने टंडन के नामांकन को बाइडन का अब तक का सबसे खराब नामांकन करार दिया है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि सीनेट के सदस्यों खासतौर पर हमारे पक्ष के सदस्यों के खिलाफ उनकी 'आक्रामक और अपमानजनक' टिप्पणियां उनके नाम की पुष्टि करने की राह में मुश्किल खड़ी करेंगी।'

कॉर्निन ने कहा, 'टंडन ने गत कुछ हफ्तों में पूर्व में किए गए कई ट्वीट को हटाया है जो बचकाना लगता है, ऐसा लगता है कि इससे उन ट्वीट तक लोगों की पहुंच नहीं होगी।' उन्होंने आरोप लगाया कि नीरा ने रिपब्लिकन पार्टी सदस्यों की आलोचना करने वाले ट्वीट सहित एक हजार से अधिक ट्वीट हटाए हैं। टंडन के ट्विटर पर 3,13,400 फॉलोअर हैं और वह इस मंच पर काफी सक्रिय है। पूर्व में नीरा रिपब्लिकन सीनेटरों और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचक रही हैं। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा कि बाइडन द्वारा प्रबंधन और बजट कार्यालय की निदेशक के तौर पर नीरा टंडन को नामित करने का फैसला काफी चिंतित करने वाला है क्योंकि उन्होंने अतीत में 'कई गलत निर्णय' लिए थे। हेली ने एक ट्वीट में कहा, 'टंडन पूर्व में कई बार गलत फैसले कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप 'अमेरिका के खिलाफ साजिश' में शामिल थे और कई बार रिपब्लिकन सांसदों को नीचा दिखाने का प्रयास किया।

टंडन बस अपनी नीति पर काम करती हैं। यही कारण है कि जो बाइडन द्वारा उन्हें नामित किया जाना चिंता की बात है।'' टंडन ने अपने एक ट्वीट में सीनेट में बहुमत दल के नेता मिच मैक्कॉनेल का उल्लेख ' मॉस्को मिच' के तौर पर किया था। 'वाशिंगटन इक्जामिनर' के मुताबिक टंडन ने नामांकन की पुष्टि के लिए जरूरी मत हासिल करने में मुश्किल को भांपते हुए करीब एक हजार ट्वीट हटाए हैं जिनमें मध्यमार्गी रिपब्लिकन सीनेटर सुजैन कोलिंस के खिलाफ किए ट्वीट भी शामिल हैं। रिपब्लिकन व्हिप सीनेटर जॉन थुने ने आरोप लगाया कि टंडन पूर्व में कुछ मामलों पर पक्षपाती थीं। नव निर्वाचित राष्ट्रपति बाइडन ने टंडन को नामित करने के अपने फैसले का बचाव किया। बाइडन ने एक ई-मेल में अपने समर्थकों से कहा, 'नीरा टंडन हर मोर्चे पर खुद को साबित कर चुकी हैं और वह प्रबंधन एव बजट कार्यालय की अगली निदेशक होंगी। अमेरिका के कामकाजी परिवारों की मदद करने के लिए नीतियां तैयार करने में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभायी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिरासत में लिये गये सपा अध्यक्ष अखिलेश, लोकसभा अध्यक्ष से की हस्तक्षेप की मांग

लखनऊ। (एजेंसी)।

कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कृषकों के समर्थन में सपा द्वारा सोमवार को पूरे उत्तर प्रदेश में आयोजित किसान यात्रा में शिरकत से रोके जाने के विरोध में धरने पर बैठे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को हिरासत में ले लिया गया। अखिलेश ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर इसे सांसद होने के नाते अपने विशेषाधिकार हनन का मामला बताते हुए हस्तक्षेप की मांग की। सपा अध्यक्ष को आज कन्नौज में किसान यात्रा में शामिल होना था, मगर उससे पहले ही पुलिस ने उनके घर और पार्टी दफ्तर के आसपास का इलाका बैरिकेड लगाकर सील कर दिया। अखिलेश कन्नौज जाने के लिये अपने घर से निकले तो पुलिस ने उनकी गाड़ी रोक ली। इससे नाराज पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश धरने पर बैठ गये। बाद में उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस वैन में बैठा दिया गया और इकोगार्डन ले जाया गया। धरने के दौरान अखिलेश ने संवाददाताओं से कहा भाजपा का यह तानाशाहीपूर्ण रवैया है। उसने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं। भाजपा के लिये कोई कोरोना नहीं है। सिर्फ विपक्षियों के लिये है। भाजपा देश में कहीं भी सभाएं और चुनाव प्रचार कर ले, उसके लिये कोई कोरोना नहीं है। सरकार कोरोना के सहारे लोकतंत्र का गला घोंटना चाहती है।

उन्होंने कहा केवल पार्टी कार्यालय में ही नहीं, बल्कि सरकार हर समाजवादी कार्यकर्ता को अपमानित कर रही है। हम अपने घर से निकल कर किसानों में अपनी बात रखते। जिस कानून को लेकर किसान दिल्ली घेरकर बैठा है, सरकार उसे वापस क्यों नहीं ले रही है? सरकार पर अविश्वास बढ़ रहा है। सरकार अब बचने वाली नहीं है। इस बीच, अखिलेश ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा राज्य सरकार का यह अलोकतांत्रिक व्यवहार मेरे नागरिक अधिकारों का हनन है। यह मामला सांसद होने के नाते मेरे विशेषाधिकार के हनन का भी है। कृपया तत्काल हस्तक्षेप करें ताकि अपनी लोकतांत्रिक गतिविधियों को सम्पन्न करने का मेरा अधिकार बहाल हो सके। गौतमपल्ली थानाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने को बताया कि सपा मुखिया अखिलेश यादव का आज कन्नौज जाने का कार्यक्रम था लेकिन वहां के जिलाधिकारी ने धारा 144 लागू होने और कोरोना महामारी के मद्देनजर उनके कार्यक्रम को अनुमति नहीं दी है। लिहाजा, सपा दफ्तर को जाने वाले विक्रमादित्य मार्ग के हिस्से को सील करने की कार्रवाई की गई है।'' इसके पूर्व, नाराज पार्टी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई। उनमें से कई को हिरासत में भी ले लिया गया। पुलिस ने पार्टी कार्यकर्ताओं को राज्य मुख्यालय के अंदर ही भेजने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया।

पुलिस की इस कार्रवाई से नाराज पार्टी के विधान परिषद सदस्य राजपाल कश्यप, वरिष्ठ नेता मोहम्मद एबाद समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और अधिवक्ता इकाई के सदस्य मौके पर पहुंचे और उनकी पुलिस से तीखी झड़प और धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस ने कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी ले लिया। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक करार देते हुए कहा है कि सरकार अखिलेश के किसान यात्रा में शामिल होने मात्र से भयभीत हो गई है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना हर किसी का लोकतांत्रिक अधिकार है और सरकार इसका हनन करने पर तुली हुई है। चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसान यात्रा के सपा के कार्यक्रम से इतनी डरी हुई है कि वह हर जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं को रोक रही है। गौरतलब है कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों के समर्थन और किसानों से जुड़ी अन्य समस्याओं को लेकर सपा सोमवार से पूरे प्रदेश में किसान यात्राएं शुरू कर रही है। इसके तहत अखिलेश को कन्नौज में आयोजित यात्रा में शिरकत करनी है। उनका ठठिया मंडी से तिर्वा के किसान बाजार तक 13 किलोमीटर की यात्रा का कार्यक्रम है।

सार समाचार

दिल्ली में पांच संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार, खालिस्तानी-कश्मीर आतंकी संपर्क की बात सामने आई

नयी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में सोमवार को एक मुठभेड़ के बाद पांच संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया जिनमें दो कथित रूप से पंजाब में शौर्य चक्र विजेता बलविंदर सिंह की हत्या में शामिल थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की कश्मीर में आतंकी संगठनों को खालिस्तान के आतंकियों के साथ जोड़ने की कोशिश का पता चला है। पुलिस के अनुसार इनमें से तीन लोग कश्मीर से हैं, वहीं बाकी दो पंजाब के हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब के रहने वाले दोनों लोग बलविंदर सिंह की हत्या में शामिल थे। आतंकवाद से मुकाबले के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित सिंह की अक्टूबर में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी।

पुलिस उपायुक्त (विशेष इकाई) प्रमोद सिंह कुशवाहा ने कहा, ''हमारी टीम को सोमवार सुबह विशेष सूचना प्राप्त हुई कि पंजाब के दो अपराधियों को तीन कश्मीरियों से पैसे मिलने हैं। गुप्त सूचना पर दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में मामूली गोलीबारी के बाद पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।'' उन्होंने बताया कि इन लोगों के पास से तीन पिस्तौल, दो किलोग्राम हेरोइन और एक लाख रुपये नकद मिले हैं। दो कार भी जब्त कर ली गयी हैं जिनमें ये यात्रा कर रहे थे। कुशवाहा ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया है कि कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा खालिस्तान समर्थक आतंकियों से जोड़ने की कोशिश की जा रही थी। अधिकारी के अनुसार, ''वे मादक पदार्थ बेच रहे थे और इस पैसे का इस्तेमाल पंजाब में आतंकवाद के वित्तपोषण में होता था।'' आगे जांच जारी है।

भाजपा सरकार कृषि कानून वापस ले या सत्ता से बाहर जाए: ममता बनर्जी

मिदनापुर (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार जल्द ही कृषि कानून वापस ले या सत्ता से बाहर जाए। पश्चिम मिदनापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि वह ''भाजपा के कुशासन पर शांत रहने या उसको सहने '' की बजाय जेल में रहना पसंद करेंगी। उन्होंने दावा किया, '' भाजपा सरकार (केन्द्र में) जल्द ही कृषि कानून वापस ले या सत्ता से बाहर जाए। किसानों के अधिकारों का हनन करने के बाद उसे सत्ता में नहीं रहना चाहिए।''

भाजपा को ''बाहरी लोगों'' की पार्टी करार देते हुए तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने कहा कि वह कभी बंगाल पर भगवा दल का कब्जा नहीं होने देंगी और साथ ही लोगों से अपील की कि वे राज्य में ऐसे प्रयासों का विरोध करें। उन्होंने उनकी पार्टी के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद अगले साल जून के बाद भी मुफ्त में राशन देने की घोषणा की। पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों पर अगले साल अप्रैल-मई में चुनाव होने की संभावना है।

कृषि कानूनों को वापस लेकर बड़प्पन दिखाए केंद्र सरकार: शिवसेना

मुंबई। दिल्ली सीमा के पास किसानों के जारी आंदोलन के बीच शिवसेना ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार कृषि विपणन कानूनों को वापस ले लेगी तो यह उसकी'फिराखदिली' होगी। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में लिखे एक संपादकीय में 'बिगड़ते' हालात के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा गया कि किसानों को प्रदर्शन करने का अधिकार है। संपादकीय में कहा गया, ''किसान दिल्ली की सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कृषि कानूनों को वापस लेने में सरकार को भी हिचकिचाने की कोई वजह नहीं है बल्कि यह उसकी'फिराखदिली' होगी।''

किसानों के मन की बात सुने सरकार, काले कानूनों को वापस ले: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने किसान संगठनों की ओर से आहूत 'भारत बंद' से एक दिन पहले सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार को 'अहंकार छोड़कर' किसानों के मन की बात सुननी चाहिए और कृषि से संबंधित 'काले कानूनों' को वापस लेना चाहिए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि सरकार को कृषि कानूनों को रद्द करना होगा और इससे कम, कुछ भी मंजूर नहीं होगा। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''देश का किसान राजनीतिक दायरे से ऊपर उठकर एकजुट है। हरित क्रांति में नेतृत्व की भूमिका निभाने वाले पंजाब ने खेती व्यापारीकरण के खिलाफ क्रांति की है। हमें गर्व है कि कांग्रेस किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।'' उन्होंने दावा किया, ''इस कानून की मूल भावना ही सवालों के घेरे में है। दाल में काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। आज किसानों की परीक्षा नहीं है, बल्कि सरकार की परीक्षा है कि क्या वह सबको साथ लेकर चल सकती है?'' कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर भाजपा सरकार के लोग किसानों की बात नहीं सुनने चाहते हैं तो उन्हें आरएसएस से जुड़े संगठनों स्वदेशी जागरण मंच और भारतीय किसान संघ की बात सुननी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम प्रधानमंत्री से आग्रह करना चाहते हैं कि इस मामले का जल्द से जल्द हल निकाला जाए। सरकार अहंकार छोड़कर किसानों के मन की बात सुने और इन काले कानूनों को वापस ले।''

किसानों के कंधे पर बंदूक रखकर अराजकता फैलाना चाहता है विपक्ष : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन नए कृषि कानूनों को लेकर जारी विरोध का ठीकरा विपक्षी दलों पर फोड़ते हुए सोमवार को कहा कि ये पार्टियां भोले-भाले किसानों के कंधे पर बंदूक रखकर अराजकता फैलाना चाहती हैं। योगी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, कृषि संबंधी सुधार से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनों को लेकर कुछ राजनीतिक दलों द्वारा वातावारण खराब करने का प्रयास किया जा रहा है।

खासकर एपीएमसी एक्ट पर राजनीतिक दलों का वर्तमान रवैया उनके दोहरे चरित्र को दिखाता है। उन्होंने कहा, वर्ष 2010-11 में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार में कृषि मंत्री शरद पवार ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भेजे गए पत्र में कहा था कि खासकर एपीएमसी एक्ट में व्यापक संशोधन की जरूरत है और एक मॉडल एक्ट इसके लिए तैयार किया जा रहा है। इस कानून के अनुसार ही इसे देश में लागू किया जाना चाहिए। उस सरकार में राकांपा, वाम दल, द्रमुक, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस जैसे दल या तो सरकार में शामिल थे, या उसका समर्थन कर रहे थे। योगी ने कहा, आखिर वर्ष 2010-11 के दौरान लिखे गए पत्र पर कांग्रेस या राकांपा और उसके समर्थक दल आज अपने पूर्व के वक्तव्यों से कैसे मुकर सकते हैं। यह इनके दोहरे चरित्र को दिखाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, कृषि सुधार कानूनों को लागू करने से पहले संसद की स्थायी समिति की बैठक में इन पर व्यापक चर्चा हुई। उस बैठक में भी अकाली दल, सपा, तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस, राकांपा, नेताओं ने राज्यों के एपीएमसी एक्ट में संशोधन करने और मॉडल एक्ट लागू करने की वकालत की थी। आज वही दल किसानों के कंधों पर बंदूक रखकर अराजकता और अव्यवस्था पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। योगी ने दावा किया कि वर्ष 2014 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की पराजय के बाद तब कांग्रेस महासचिव के रूप में राहुल गांधी ने माना था कि कांग्रेस एपीएमसी एक्ट में संशोधन की पक्षधर है और वह सब्जी और फलों को मंडी से मुक्त करने का समर्थन कर रही थी, इसीलिए उसकी हार हुई।

सुप्रिम कोर्ट ने 'सेंट्रल विस्टा' परियोजना की आधारशिला रखने की केंद्र को दी मंजूरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने सरकार की 'सेंट्रल विस्टा परियोजना' का विरोध करने वाली लंबित याचिकाओं पर कोई फैसला आने तक निर्माण कार्य या इमारतों को गिराने जैसा कोई काम ना करने का आश्वासन मिलने के बाद केन्द्र को इसकी आधारशिला रखने का कार्यक्रम आयोजित करने की सोमवार को मंजूरी दे दी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर के नेतृत्व वाली एक पीठ को कहा कि केवल आधारशिला रखने का कार्यक्रम किया जाएगा, वहां कोई निर्माणकार्य या इमारतों को गिराने जैसा कोई काम नहीं होगा। इस परियोजना की घोषणा पिछले वर्ष सितम्बर में हुई थी, जिसमें एक नये त्रिकोणाकार संसद भवन का निर्माण किया जाना है। इसमें 900 से 1200 सांसदों के बैठने की क्षमता होगी।

इसके निर्माण का लक्ष्य अगस्त 2022 तक है, जब देश स्वतंत्रता के 75वीं वर्षगांठ मनाएगा। साझा केन्द्रीय सचिवालय के बनने का अनुमान 2024 तक है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पांच दिसम्बर को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 दिसम्बर को नए संसद भवन की आधारशिला रखेंगे। इसका निर्माण कार्य 2022 तक पूरा होने की संभावना है, जिसमें 971 करोड़ रुपये का खर्चा आ सकता है। याचिकाएं भूमि उपयोग बदलाव की मंजूरी सहित दी गई अन्य विभिन्न मंजूरियों के खिलाफ दायर की गई हैं। ये सभी अभी शीर्ष अदालत में विचाराधीन है।

कृषि कानूनों को वापस लेकर बड़प्पन दिखाए केंद्र सरकार: शिवसेना

मुंबई। (एजेंसी)।

दिल्ली सीमा के पास किसानों के जारी आंदोलन के बीच शिवसेना ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार कृषि विपणन कानूनों को वापस ले लेगी तो यह उसकी'फिराखदिली' होगी। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में लिखे एक संपादकीय में 'बिगड़ते' हालात के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा गया कि किसानों को प्रदर्शन करने का अधिकार है। संपादकीय में कहा गया, ''किसान दिल्ली की सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कृषि कानूनों को वापस लेने में सरकार को भी हिचकिचाने की कोई वजह नहीं है बल्कि यह उसकी'फिराखदिली' होगी।''

हजारों किसान नये कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर पिछले कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों के प्रतिनिधियों और केंद्र के बीच शनिवार को पांचवें दौर की वार्ता बेनतीजा रही। किसान संगठनों ने मंगलवार को 'भारत बंद' का आह्वान किया है। 'सामना' में संपादकीय में कहा गया कि मुद्दे के संबंध में शिरोमणि अकाली दल के प्रकाश सिंह बादल और राकांपा प्रमुख शरद पवार जैसे किसान नेताओं से बातचीत करने का प्रयास किया गया होता तो स्थिति थोड़ी आसान होती।

सामना में कहा गया, ''आज स्थिति बिगड़ती जा रही है, यह सरकार के ही कर्मों का फल है।'' संपादकीय में कहा गया, ''येन केन प्रकारेण चुनाव जीतना आसान है लेकिन दिल्ली की सीमा पर पहुंच चुके किसानों के मुद्दे, बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निपटने वाले विशेषज्ञों की सरकार में कमी है।'' संपादकीय में कहा गया कि एक समय भाजपा के पास प्रमोद महाजन, अरूण जेटली और सुषमा स्वराज जैसे संकटमोचक थे जो वार्ता कर (किसी भी मुद्दे पर) गतिरोध को दूर करने का माद्दा रखते थे। 'सामना' में कहा गया, ''लेकिन सरकार में आज ऐसा कोई चेहरा नहीं है। इसलिए पांच चरण की बातचीत हो गयी लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।

कांग्रेस को झटका, अभिनेत्री से नेता बनीं विजयाशांति भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली। अभिनेता से नेता बनीं विजयाशांति सोमवार को एक बार फिर भाजपा में शामिल हो गयीं। उन्होंने 1990 के दशक में अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भाजपा से ही की थी और बाद में अन्य पार्टियों से जुड़ गयी थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सिर्फ भाजपा ही तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है। विजयाशांति 80 और 90 के दशक में तेलुगू फिल्मों की सफल अभिनेत्री थीं। उन्होंने हिंदी की भी कई फिल्मों में अभिनय किया है। विजयाशांति ने इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। वह यहां पार्टी मुख्यालय में महासचिव अरुण सिंह, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष बांदी संजय कुमार की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुयीं। विजयाशांति भाजपा छोड़ने के बाद वह टीआरएस और कांग्रेस में शामिल हो गई थीं। 54 वर्षीय विजयाशांति संसद सदस्य भी रह चुकी हैं। वह अलग तेलंगाना राज्य के लिए हुए आंदोलन से भी जुड़ी रहीं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ टीआरएस नए राज्य के लोगों के सपनों को पूरा करने में नाकाम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव नीत सरकार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार है। भाजपा 2019 के लोकसभा चुनावों में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद तेलंगाना में अपनी संभावनाओं को लेकर आश्वस्त है।

किसानों में फैलाया जा रहा भ्रम, रविशंकर प्रसाद बोले- हम वही कर रहे, जो यूपीए सरकार करना चाहती थी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भाजपा ने नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लागू किये गए कृषि सुधारों के खिलाफ विपक्षी दलों के रुख के लिये उनकी आलोचना की और उन पर 'शर्मनाक दोहरे मापदंड' अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व में उन्होंने नए कानून के कई प्रावधानों का समर्थन किया था। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि किसानों का एक वर्ग 'निहित स्वार्थ' वाले कुछ लोगों के चंगुल में है और सरकार सुधारों को लेकर उनके बीच फैलाये गए भ्रम को दूर करने पर काम कर रही है। किसानों का एक वर्ग इन नए कृषि कानूनों को लेकर विरोध में है।

राजनीतिक दलों को अपने प्रदर्शन से नहीं जुड़ने देने के लिये कृषक संघों की सराहना करते हुए प्रसाद ने कहा कि अपना अस्तित्व बचाने के लिये भाजपा के विरोधी उनके प्रदर्शन में कूद पड़े हैं जबकि विभिन्न चुनावों में देश की जनता उन्हें बार-बार खारिज कर चुकी है। उन्होंने 2019 के आम चुनावों के लिये कांग्रेस का घोषणा-पत्र पढ़ते हुए कहा कि उसने एपीएमसी अधिनियम को 'रद्द' करने का वादा किया था। प्रसाद ने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने 2013 में कांग्रेस शासित राज्यों से कहा था कि वो ऐसे उपाय करें जिससे किसान अपनी उपज सीधे बेच पाएं।

प्रसाद ने कहा कि संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहे राकांपा नेता शरद पवार ने राज्यों से एपीएमसी अधिनियम में संशोधन के लिये कहा था और उन्हें चेतावनी भी दी थी कि केंद्र तीन सुधारों के अभाव में आर्थिक सहायता भी उपलब्ध नहीं कराएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जब यह प्रावधान लागू किये तो अब ये सभी दल उसका विरोध कर रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि यह उनके 'शर्मनाक दोहरे मापदंड÷ को उजागर करता है। केंद्र के नए कृषि कानूनों को रद्द किये जाने की मांग को लेकर बीते 11 दिनों से दिल्ली की सीमा पर प्रदर्शन कर रहे कृषक संघों द्वारा आठ दिसंबर को बुलाए गए 'भारत बंद' का रविवार को कई क्षेत्रीय दलों समेत विपक्षी दलों ने समर्थन करने का ऐलान किया है।

एनसीपी का दावा, पवार ने वाजपेयी सरकार के कृषि कानून को लागू करने के लिए...

मुंबई/नागपुर। (एजेंसी)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने सोमवार को कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के नेतृत्व वाली सरकार में बतौर कृषि मंत्री शरद पवार ने कई 'अनिच्छुक' राज्यों से अटल बिहारी वाजपेयी नीत सरकार के एपीएमसी कानून को लागू करने के लिए समझाया था। राकांपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि उनकी पार्टी ने संसद में नये कृषि कानूनों का समर्थन नहीं किया था और इन्हें बिना किसी चर्चा के पेश किया गया। सरकार के सूत्रों ने केंद्रीय मंत्री के तौर पर पवार द्वारा इस संबंध में कई मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र का अंश साझा किया। इसके बाद राकांपा के प्रवक्ता महेश तपासे ने इस बारे में जानकारी दी। तपासे ने कहा, ''आदर्श कृषि उत्पाद विपणन समिति (एपीएमसी) अधिनियम, 2003 को वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने शुरू किया था। उस वक्त कई राज्य सरकारें इसे लागू नहीं करना चाहती थीं।'' तपासे ने एक बयान में कहा, ''केंद्रीय कृषि मंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद पवार ने राज्यों के कृषि विपणन बोर्डों के साथ व्यापक सहमति बनाने की कोशिश की और कानून को लागू करने के लिए उनसे सुझाव मांगे।''

तपासे ने कहा, ''एपीएमसी काननू के प्रारूप के अनुसार किसानों को होने वाले फायदे के बारे में उन्होंने (पवार ने) कई राज्य सरकारों को अवगत कराया, जिसे लागू करने पर वे सहमत हुए। कानून के लागू होने से देशभर के किसानों को लाभ हो रहा है। किसानों के हितों की रक्षा के लिए पवार ने इस कानून में कुछ बदलाव किया था।'' तपासे ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए नये कृषि कानून ने संदेह पैदा किया है और इसने न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसे मुद्दों के संबंध में किसानों के मन में असुरक्षा का भाव पैदा किया है। उन्होंने कहा, ''भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार इस नये कृषि कानून में अन्य कई मुद्दों का समाधान करने में नाकाम रही है, जिसके कारण इतने बड़े पैमाने पर देश भर के किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्र सरकार व्यापक सहमति नहीं बना सकी और किसानों तथा विपक्ष की जायज आशंकाओं को दूर करने में नाकाम रही।'' पटेल ने नागपुर में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश तीनों नये कानूनों पर किसी के साथ चर्चा नहीं की गई थी और ये किसानों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि एपीएमसी या न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था को लेकर नये कानून में कोई स्पष्टता नहीं है। नुकसान होने या निजी कंपनियों या कारोबारियों द्वारा अनुबंध का पालन नहीं होने पर किसान को न्याय पाने के लिए क्या करना होगा, इस बारे में भी स्पष्टता नहीं है।

संसद में विधेयक पारित किए जाने के दौरान राकांपा के अनुपस्थित रहने के बारे में पूछे गए सवाल पर पटेल ने कहा, ''उस समय भी हमने कहा था कि विधेयकों को जल्दबाजी में लाया गया है।'' किसानों के विरोध प्रदर्शनों को पवार द्वारा समर्थन दिए जाने के बाद सरकार के सूत्रों ने रविवार को कहा था कि संप्रग के नेतृत्व वाली सरकार में कृषि मंत्री रहते हुए पवार ने मुख्यमंत्रियों को अपने-अपने राज्यों में एपीएमसी कानून लागू करने के लिए कहा था ताकि इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। किसानों के मौजूदा प्रदर्शन को लेकर पवार नौ दिसंबर को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात करने वाले हैं। किसानों के संगठनों ने आठ दिसंबर को भारत बंद का आह्वान किया है जिसका विपक्षी दलों के साथ राकांपा ने समर्थन किया है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि 2010 में पवार ने दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को लिखे पत्र में कहा था कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, रोजगार और आर्थिक समृद्धि के लिए कृषि क्षेत्र को बेहतर बाजार की जरूरत है। मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे इसी तरह के एक पत्र में पवार ने फसल के बाद होने वाले निवेश और फसल को खेतों से उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए विपणन को लेकर बुनियादी ढांचे की जरूरत पर जोर दिया था।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात किसान संघ का भारत बंद को समर्थन नहीं, कई मार्केट यार्ड भी अलग

अहमदाबाद (एजेसी) गुजरात किसान संघ मंगलवार के भारत बंद में शामिल नहीं होगा गुजरात किसान संघ का कहना है कि नए कृषि कानूनों में किसानों का हित है! हांलाकि कानून में संशोधन की किसान संघ की मांग है और इसे लेकर किसान संघ की सरकार से बातचीत चल रही हैं! नए कृषि कानूनों को वापस लेने की किसानों की मांग को गुजरात किसान संघ गलत करार दिया है! गुजरात किसान संघ का कहना है कि भारत बंद के दौरान आंदोलन के हिंसक होने की आशंका चलते हमने इससे किनारा कर लिया है! दूसरी ओर भारत बंद के ऐलान को गुजरात में मिलाजुला समर्थन मिल रहा है! भारत बंद को कांग्रेस और गुजरात संघर्ष समिति ने समर्थन किया है और मंगलवार को गुजरात में हाईवे बंद करने का आयोजन किया है! राज्य के कई व्यापारी एसोसिएशन और एपीएमसी भी किसानों के भारत बंद का समर्थन किया है! वडोदरा एपीएमसी की व्यापारी मंगलवार को मंडी बंद रख किसानों को समर्थन देंगे! सौराष्ट्र के दो बड़े यार्ड राजकोट और गोंडल मार्केटिंग यार्ड भी किसानों के समर्थन में कल बंद रहेंगे! राजकोट के अलावा जामनगर, जूनागढ़ जिले की एपीएमसी भी बंद रहेगी! उपलेटा, जसदण, जामजोधपुर, खंभालिया, कालावड, विसावदर, मेंदरडा इत्यादि मार्केट यार्ड मंगलवार को बंद रहेगा! हांलाकि अमरेली का बाबरा, राजुला मार्केट यार्ड बंद में शामिल नहीं होगा! हांलाकि सौराष्ट्र के यार्ड में भारत बंद को लेकर दो फाड़ हो गई है! व्यापारी और कमीशन एजन्टों ने भारत बंद का समर्थन किया है, लेकिन यार्ड के सत्ताधीश ने मंडी रोज की भांति चालू रखने पर अडिग हैं! सत्ताधीशों का कहना है कि रोज की भांति मंडियों में खरीद–फरोख्त जारी रहेगा! जबकि कई मार्केटिंग यार्ड ने बंद में शामिल होने से इंकार कर दिया है! पेटलाद, खंभात, नडियाद एपीएमसी भारत बंद को समर्थन नहीं करेगी! इसके अलावा वडोदरा शहर के व्यापारी भी मंगलवार के बंद में शामिल नहीं होंगे! उत्तरी गुजरात स्थित एशिया का सबसे बड़ा मार्केट यार्ड ऊंझा एपीएमसी भी बंद में शामिल नहीं होगा!

वीर जवानों के परिवारों के कल्याण के लिए दें उदार हाथों से योगदानः मुख्यमंत्री

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिया योगदान

अहमदाबाद (एजेंसी) मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने 7 दिसंबर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर अपना योगदान देते हुए देश की सरहदों की हिफाजत और मातृभूमि की सुरक्षा करने वाले वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

अपने देश की सीमा पर मुस्तैदी के साथ खड़े रहकर सरहद पार से होने वाली घुसपैठ और नापाक हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देकर मां भारती की सुरक्षा करने के अलावा आंतरिक सुरक्षा का दायित्व हमारे सशस्त्र बल के जवाब निभाते हैं।

देश में बाढ़, चक्रवातऔर भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा या मानव निर्मित आपदा तथा कानून व्यवस्था को बनाए रखने में भी स्थानीय प्रशासन की सहायता करने वाले सशस्त्र बलों के कर्त्तव्य निष्ठ जवानों और देश के लिए समर्पित होकर अपने प्राण न्यौछावर करने

वाले वीर जवानों के परिवारों के कल्याण के उद्देश्य से सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर हर कोई स्वैच्छिक दान अर्पित कर उनकी सेवाओं का ऋण स्वीकार करता है।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने देश के बहादुर सैनिकों के प्रति आदर भाव प्रकट करने और वीर गति को प्राप्त करने वाले जवानों के परिवारों के कल्याण के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से उदारतापूर्वक योगदान देने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री ने इस सशस्त्र सेना झंडा दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को गांधीनगर में अपना योगदान अर्पित किया।

इस अवसर पर गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज कुमार, सैनिक कल्याण बोर्ड के निदेशक सेवानिवृत्त कमांडर शशिकुमार गुप्ता, उप निदेशक पीएच चौधरी तथा गुजरात प्रदेश डिफेंस पीआरओ तथा वायुसेना के अधिकारी भी उपस्थित थे।

बंद के नाम पर अराजकता बर्दाश्त नहीं डीजीपी ने गुजरात में लगाई दफा 144

अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट में रात्रि कर्फ्यू अगले आदेश तक जारी रहेगा

क्रांति समय संवाददाता

सूरत, मंगलवार को भारत बंद के ऐलान को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने मंगलवार को राज्यभर में दफा 144 लगा दी है।

बंद के नाम पर कोई भी व्यक्ति कानून व्यवस्था बिगाड़ने की गुस्ताखी करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगीं।

उन्होंने कहा कि गुजरात में कहीं भी गुजरात बंद नहीं है। गुजरात के नागरिकों से अपील है कि वे किसी के बहकावे में न आएं

और इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल नहीं हों। आशीष भाटिया ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में मंगलवार के दिन दफा 144 लागू कर दी गई है। हांलाकि कोरोना संकट के चलते पहले से लोगों के जमा होने पर प्रतिबंध हैं। ऐसे में यदि कोई शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि गुजरात के संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है और इन क्षेत्रों में लगातार गश्त के साथ ही पोइन्ट बनाकर निगरानी भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि गुजरात में शांतिपूर्ण मा.हौल बरकरार रखने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है और बंद के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के जिम्मेदारी स्थानीय अधिकारियों की होगी।

इसके लिए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को आदेश दे दिया गया है। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि राज्य के चार महानगरों में रात्रि कर्फ्यू अगले आदेश तक जारी रहेगाद्य अहमद.ाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट में रात 9 बजे से सुबह 6 बजे तक रात्रि कर्फ्यू बरकरार रहेगा।

गुजरात में कोरोना से आंशिक राहत 1380 नए मरीज, 1568 हुए ठीक

गुजरात में दिवाली त्यौहारों के बाद पहली बार कोरोना के नए केसों में कमी आई है। दिवाली के बाद कोरोना केसों का नियमित आंकड़ा 1500 को पार कर गया था, सोमवार को कोरोना के 1380 नए केस सामने आए हैं।

जबकि 1568 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। अहमदाबाद में 9 समेत राज्य में 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 289, सूरत कॉर्पोरेशन में 191, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 135, राजकोट कॉर्पोरेशन में 89, पाटन में 58, मेहसाणा में 54, गांधीनगर में 44, वडोदरा में 42, बनासकांठा में 39, राजकोट में 39, सूरत में 31, जामनगर कॉर्पोरेशन में 30, सुरेन्द्रनगर में 29, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 27, कच्छ में 26, मोरबी में 22, भावनगर कॉर्पोरेशन में 21, खेडा में 20, साबरकांठा में 19, पंचमहल में 18, अहमदाबाद में 17, अमरेली में 14, भरुच में 12, भावनगर में 11, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 11, नर्मदा में 11 और गिर सोमनाथ जिले में 10 समेत राज्यभर में 1380 नए कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। जबकि 1568 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गएद्य इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 9, सूरत कॉर्पोरेशन में 3, अमरेली और राजकोट कॉर्पोरेशन में 1 समेत कुल 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। आज 68868 समेत राज्यभर में अब तक कुल 8310558 लोगों का टेस्ट किया गया।

जिसमें 220168 कोरोना पॉजिटिव मरीज सामने आए। इनमें 201580 मरीज कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं और 4095 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है।

शेष 14493 एक्टिव केसों में 14412 की हालत स्थिर है और 81 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 542025 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है।

जिसमें 541877 को होम कोरन्टाइन और 148 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

अहमदाबाद मण्डल पर बाबासाहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

अहमदाबाद मण्डल पर मण्डल कार्यालय प्रांगण में भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर (बाबा साहब) के 65 वें महापरिनिर्वाण दिवस पर सादगीपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मण्डल रेल प्रबन्धक दीपक कुमार झा, वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी सुनील बिश्नोई व अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजली अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान केंडल जला.कर उन्हें याद करते हुए नमन किया।

वर्तमान में कोरोना के दु:प्रभाव को देखते हुए भारत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस तथा सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करते हुए कार्यक्रम के दौरान मौन रखा गया।

तथा बाबासाहब द्वारा किये गए उल्लेखनीय कार्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम का संचालन सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी बादल राजवंशी ने किया।

पबजी खेलने के लिए पोते ने दादी के खाते से उड़ाए 2.71 लाख रुपये

क्रांति समय संवाददाता

अहमदाबाद के साबरमती इलाके में एक पोते ने अपनी दादी के साथ धोखाधड़ी करते हुए ऑनलाइन लेनदेन के जरिए 2.71 लाख रुपये निकाल लिए।

मामले की जानकारी मिल.ने पर जब बुजुर्ग महिला ने इसकी शिकायत साइबर अपराध शाखा से की तो पता चला कि महिला के साथ धोखाधड़ी उसके पोते ने ही की है।

दादी की शिकायत पर सायबर पुलिस ने किया मामले का खुलासा, पोता गिरफ्तार

सा.इबर सेल से मिली जानकारी के मुता.बिक, आरा.`पी युवक जिगर शाह उर्फ देव ने अपनी दादी निमिषाबेन के खाते से 27 सितंबर से लेकर 20 नवंबर के बीच अपने खाते में और पेटीएम खाते में 2.71 लाख रुपये डाल लिए। देव ने पैसे निकालने के बाद दादी का मोबाइल फोन बंद कर दिया था, जिससे उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं लग सके। जब फोन स्विच ऑफ हो गया तो निमिषाबेन को लगा कि मोबाइल रिचार्ज खत्म हो गया है।

इस धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए देव ने दूसरे फोन में निमिषाबेन के नंबर का इस्तेमाल किया और उसके आधार पर एक पेटीएम खाता खोला और उस खाते को निमिषाबेन के खाते से जोड़ दिया और इसके लिए पैसे का इस्तेमाल किया। पुलिस ने देव को गिरफ्तार कर मा.बाइल जब्त कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पु.लिस जांच में पता चला है कि आरोपी लूडो और पबजी गेम खेलने का शौकीन है और उसने अपने शौक को पूरा करने के लिए यह हरकत की। देव ने 12वीं की परीक्षा दी है, जिसमें वे एक बार असफल हुआ था। जबकि उसके पिता एक कपड़ा व्यवसायी हैं।

मंगेतर के साथ युवक ने बनाए शारीरिक संबंध, बाद में शादी से किया इंकार

क्रांति समय संवाददाता

वलसाड में एक युवक ने मंगेतर का यौन शोषण करने के बाद बाद उससे शादी करने से इंकार कर दिया। मंगेतर के विश्वासघात से गुस्साई युवती ने वलसाड ग्रामीण पुलिस में युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। वलसाड के तटीय क्षेत्र के गांव में रहने वाले 20 वर्षीय युवती ने कक्षा 12 पढ़ाई की है। वर्ष 2017 में युवती वलसाड जिलेके जगालाला गांव के हिंगराज रोड पर रहने वाले गौरव प्रवीण टंडेल नामक युवक के संपर्क में आई और दोनों एक–दूसरे को प्यार करने लगें दोनों के परिवार को इसका पता चला तो दोनों परिवारों ने विरोध किया। परिवार के विरोध के बावजूद युवक–युवती ने एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ा, जिससे आखिरकार 2018 में दोनों के माता–पिता शादी के लिए राजी हो गए और 12 दिसंबर 2018 को दोनों की सगाई कर दी। उस दौरान गौरन टंडेल को नौकरी के लिए विदेश जाने की वजह से शादी उसके लौटने करने का फैसला किया गया। लेकिन किन्हीं कारणों से गौरव दो महीने में ही वापस लौट आया। समाज के रीति–रिवाज के मुताबिक युवती गौरव घर आकर रहती तो कभी गौरव उसके घर में रहता। युवती के पिता भी गौरव को दामाद की तरह मान–सम्मान करते।

उस वक्त फिर एक बार गौरव को स्टीमर में नौकरी के लिए कॉल लेटर आने से उसने 26 अक्टूबर 2019 को विदेश जाने का फैसला किया। विदेश जाने से पहले गौरव ने मंगेतर को अपने घर बुलाया। गौरव ने अपने कमरे में सो रही मंगेतर से कहा कि नौकरी से लौटने के बाद हम शादी कर लेंगे। मंगेतर का विश्वास संपादित कर गौरव ने उसे शारी.रिक संबंध बनाने के मना लिया।

जिसके बाद गौरव ने अपनी मंगेतर के साथ एक रात में दो दफा शारीरिक संबंध बनाए और दूसरे दिन वह शिप पर नौकरी के लिए निकल गया। गौरव केनौकरी से लौटने पर उससे मिलने पहुंची मंगेतर से उसने बात करने समेत कोई संबंध रखने से इंकार कर दिया। मंगेतर के ऐसे रुख से हतप्रभ युवती अपने घर पहुंची और माता–पिता को पूरी बात बताई। जिससे युवती के माता–पिता गौरव के घर पहुंचे और उसके परिवार के साथ बातचीत की। जिसमें गौरव ने युवती के साथ शादी करने से साफ इंकार कर दिया। मंगेतर की धोखेबाजी से गुस्साई युवती ने वलसाड ग्रामीण पुलिस थाने में गौरव के खिलाफ बलात्कार और विश्वासघात की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने 420 और 376 के तहत मामला दर्ज

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)